घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 109- बुधवार 18- फरवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

मोदी-मैक्रों ने टाटा-एयरबस की एच-125 हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली लाइन का उद्घाटन किया

भारत एवरेस्ट तक उड़ने वाला हेलिकॉप्टर बनाएगा : पीएम मोदी

मैक्रों बोले...भारत पर भरोसा इसलिए टेक्नोलॉजी शेयर करते हैं...

नई दिल्ली,17 फरवरी 2026। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मंगलवार को भारत पहुंचे हैं। इस दौरान मुंबई में उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने मिलकर टाटा-एयरबस की एच125 हेलिकॉप्टरों असेंबली लाइन का ऑनलाइन उद्घाटन किया। मुंबई में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस मिलकर भारत में ऐसे हेलिकॉप्टर का निर्माण करेंगे, जो माउंट एवरेस्ट जैसी ऊंचाइयों तक उड़ान भरेगा। मोदी ने फ्रांस को भारत का स्पेशल पार्टनर बताया और कहा कि दोनों देशों ने अपने रिश्तों को 'स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' लेवल तक अपग्रेड करने का फैसला किया है। 'स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का मतलब है कि दोनों देश सिर्फ व्यापार या हथियारों की खरीद-फरोख्त तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि सुरक्षा, तकनीक, अंतरिक्ष, समुद्री इलाकों की सुरक्षा और बड़े वैश्विक मुद्दों पर साथ मिलकर काम करेंगे। मैक्रों ने कहा कि भारत एक भरोसेमंद साझेदार है और फ्रांस भारत के साथ तकनीक साझा करने में भरोसा रखता है।

राष्ट्रपति बनने के बाद चौथी बार भारत पहुंचे मैक्रों

राष्ट्रपति बनने के बाद मैक्रों का यह चौथा भारत दौरा है। इससे पहले वे मार्च 2018 में पहली बार भारत आए थे। इसके बाद वे सितंबर 2023 में ज20 समिट के लिए और जनवरी 2024 में गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बनकर आए थे। भारत और फ्रांस के बीच 1998 से रणनीतिक साझेदारी है और दोनों देश रक्षा, तकनीक, अंतरिक्ष और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में साथ काम करते हैं। यह दौरा भी इसी सहयोग को आगे बढ़ाने के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

मोदी बोले...भारत-फ्रांस आतंकवाद खत्म करने के लिए साथ हैं...

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस दोनों लोकतंत्र, कानून का पालन और ऐसी दुनिया में भरोसा रखते हैं जहां कई ताकतें मिलकर संतुलन बनाए रखें। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का मानना है कि वैश्विक संस्थाओं में सुधार जरूरी है, तभी दुनिया की बड़ी समस्याओं का हल निकल पाएगा। उन्होंने कहा कि यूक्रेन हो, पश्चिम एशिया हो या इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, हर जगह शांति के प्रयासों का भारत और फ्रांस समर्थन करते रहेंगे। दोनों देश हर तरह के आतंकवाद को खत्म करने के लिए भी साथ हैं।

मैक्रों बोले...भारत-फ्रांस के रिश्ते खास और अनोखे...

मैक्रों ने कहा कि भारत और फ्रांस के बीच द्विपक्षीय संबंध सच में खास और अनोखे हैं। यह रिश्ता भरोसे, खुलेपन और महत्वाकांक्षा पर आधारित है। मैक्रों ने कहा कि आज हमने दोनों देशों की इस साझेदारी को एक नए स्तर पर ले जाने का फैसला किया है। अब इसे 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का दर्जा दिया जाएगा।

भारत-फ्रांस साझेदारी वैश्विक स्थिरता के लिए मजबूत ताकत

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस अब अहम खनिजों, बायोटेक्नोलॉजी और नई तरह की एडवांस्ड मैटेरियल्स के सेक्टर में मिलकर काम को और आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हेल्थ सेक्टर में AI के लिए एक भारत-फ्रांस सेंटर शुरू किया जा रहा है। इसके अलावा डिजिटल साइंस और टेक्नोलॉजी के लिए भी एक संयुक्त सेंटर बनेगा और एविएशन स्किल डेवलपमेंट के लिए राष्ट्रीय गठबंधन केंद्र की शुरुआत की जा रही है। मोदी ने कहा कि दुनिया इस समय अनिश्चित दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में भारत-फ्रांस की साझेदारी वैश्विक स्थिरता के लिए मजबूत ताकत बन सकती है। उन्होंने कहा कि फ्रांस की विशेषज्ञता और भारत की बड़ी क्षमता को मिलाकर भरोसेमंद तकनीक विकसित की जा रही

मोदी बोले- दोनों देश अपनी इंडस्ट्री को आपस मे जोड़ेंगे

पीएम मोदी ने कहा कि अब चाहे रक्षा का क्षेत्र हो, स्वच्छ ऊर्जा हो या अंतरिक्ष,हर जगह दोनों देश अपने उद्योगों को आपस में जोड़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जॉइंट इनोवेशन के लिए नए सेंटर बनाए जाएंगे। साथ ही क्रिटिकल मिनरल्स और बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी दोनों देश अपना सहयोग और मजबूत कर रहे हैं।

मोदी बोले...भारत-फ्रांस साझेदारी आम लोगों की पार्टनरशिप में बदली

पीएम मोदी ने कहा कि भारत-फ्रांस इनोवेशन ईयर की शुरुआत के साथ दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी अब आम लोगों की साझेदारी में बदल रही है। इनोवेशन अकेले संभव नहीं है, इसके लिए साथ मिलकर काम करना जरूरी है। उन्होंने बताया कि इस इनोवेशन ईयर के दौरान दोनों देशों का लक्ष्य लोगों के बीच संबंधों को और मजबूत करना है। चाहे रक्षा का क्षेत्र हो, स्वच्छ ऊर्जा, अंतरिक्ष या नई तकनीकें, हर क्षेत्र में दोनों देश अपने उद्योगों और इनोवेटर्स को एक-दूसरे से जोड़ेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप और छोटे व मध्यम उद्योगों के बीच मजबूत नेटवर्क बनाया जाएगा। साथ ही छात्रों और शोधकर्ताओं के बीच आदान-प्रदान आसान किया जाएगा और जॉइंट इनोवेशन के लिए नए सेंटर भी खोले जाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस दोनों प्राचीन और समृद्ध सभ्यताएं हैं। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों को बहुत महत्व दिया जाता है। भारत और फ्रांस के बीच लंबे समय से सहयोग रहा है। उन्होंने कहा कि अब भारत और फ्रांस नेशनल मरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स, लोथल पर सहयोग करेंगे, और पहले ही ज्वेल म्यूजियम पर साथ काम किया जा चुका है।

मैक्रों बोले...भारत पर भरोसा, इसलिए टेक्नोलॉजी शेयर करते हैं...

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि भारत का एक भरोसेमंद साझेदार है। फ्रांस भारत के साथ तकनीक साझा करने में विश्वास रखता है। मैक्रों ने यह भी कहा कि फ्रांस रणनीतिक स्वायतता यानी अपने फैसले खुद लेने और स्वतंत्र नीति पर चलने में भरोसा रखता है।

मैक्रों बोले...भारत से साझेदारी को स्पेशल स्ट्रैटेजिक साझेदारी में बदलेंगे...

मैक्रों ने कहा कि मेरे चौथे भारत दौरे पर स्वागत करने के लिए पीएम मोदी का धन्यवाद। हमने ये भी फैसला किया है कि इस साझेदारी को स्पेशल स्ट्रैटेजिक साझेदारी में बदलेंगे। हम पिछले 8 सालों से यही कर रहे हैं। स्पेशल स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप का मतलब है दो देशों के बीच ऐसी खास और मजबूत साझेदारी, जिसमें वे लंबे समय तक महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मिलकर काम करते हैं। इसमें दोनों पक्ष रक्षा, व्यापार, तकनीक या सुरक्षा जैसे जरूरी मामलों में एक-दूसरे की मदद करते हैं।

गुजरात की अंतिम मतदाता सूची जारी,4.40 करोड़ मतदाता के नाम

गांधीनगर,17 फरवरी 2026। गुजरात में मतदाता सूची की विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत तैयार की गई अंतिम मतदाता सूची मंगलवार को जारी कर दी गई। इस नयी मतदाता सूची में 4.40 करोड़ मतदाताओं के नाम दर्ज हैं। प्रदेश में कुल 5.60 लाख मतदाताओं की वृद्धि हुई है। यह

अभियान 27 अक्टूबर 2025 से राज्यभर में शुरू किया गया था और लगभग साढ़े तीन महीने तक विभिन्न चरणों में कार्रवाई के बाद अंतिम सूची प्रकाशित की गई है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने या सुधार से संबंधित दावे और आपत्तियां 19 फरवरी 2025 से 30 जनवरी 2026 के बीच प्राप्त हुई थीं। इसके बाद 10 फरवरी 2026 तक चुनाव अधिकारियों ने सभी आपत्तियों की जांच कर उनका निस्तारण किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी हारीत शुक्ला ने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने में राज्य के नागरिकों का अभूतपूर्व सहयोग मिला। इस कार्य में 34 जिला निर्वाचन अधिकारी, 182 निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी, 855 सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी, 50,963 बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) तथा स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। मीडिया, राजनीतिक दलों और विभिन्न संगठनों का भी सहयोग प्राप्त हुआ।

4.40 करोड़ मतदाता शामिल

मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित होने से पहले राज्य में कुल 5,08,43,436 मतदाता दर्ज थे। मसौदा सूची के बाद यह संख्या घटकर 4,34,70,109 रह गई थी। मसौदा सूची के बाद अंतिम सूची में कुल 5.60 लाख मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि (नेट एडिशन) दर्ज की गई है। इस तरह से अंतिम मतदाता सूची में कुल 4,40,30,725 मतदाताओं के नाम शामिल किए गए हैं।

हिमंता बोले...गोगोई का केस सबूत समेत केंद्र को भेजा

दावा...कांग्रेस सांसद ने पाकिस्तान की यात्रा की उनकी पत्नी ने भारत की जानकारी शेयर की

नई दिल्ली,17 फरवरी 2026। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा है कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई से जुड़े कथित पाकिस्तान लिंक के मामले की जांच अब केंद्र सरकार करेगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने इस मामले से जुड़े सभी सबूत केंद्र को

सौंप दिए हैं और अब केंद्रीय एजेंसी इसकी जांच करेगी। मुख्यमंत्री सरमा ने आरोप लगाया कि गौरव गोगोई और उनकी पत्नी का पाकिस्तान से जुड़े कुछ लोगों से संबंध रहा है और यह एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि गोगोई ने पाकिस्तान की यात्रा की और वहां के कुछ लोगों से संपर्क रखा।

सरमा बोले...एलिजाबेथ और अली तौकीर शेख बहुत करीब

असम सीएम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। आरोप लगाया था कि कांग्रेस सांसद गौरव और उनकी पत्नी एलिजाबेथ, पाकिस्तानी एजेंट अली तौकीर शेख के बहुत करीब हैं। एक पाकिस्तानी फर्म ने गौरव की पत्नी को नौकरी दी,फिर उन्हें भारत ट्रांसफर कर दिया। एलिजाबेथ भारत से जुड़ी कई जानकारियां इकट्ठा करती थीं और पाकिस्तानी नागरिक अली शेख को रिपोर्ट देती थीं। अली तौकीर शेख एलिजाबेथ को इस काम के लिए सैलरी देता था। हिमंता ने यह भी दावा किया कि अली तौकीर 2010 से 2013 के बीच 13 बार भारत आया था। उसका मकसद दुनिया में भारत विरोधी नैरेटिव तैयार करना था। सरमा ने यह भी आरोप लगाया कि गौरव गोगोई ने कथित तौर पर संवेदनशील संसदीय जानकारी साझा की, पाकिस्तान की यात्रा की और यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के नाम पर पाकिस्तानी अधिकारियों से संपर्क बनाए रखा।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस रद्द

कर्नाटक चुनाव में 40% कमीशन वाले विज्ञापन का मामला...

बेंगलुरु,17 फरवरी 2026। कर्नाटक हाईकोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस को रद्द कर दिया। यह मामला 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले '40% कमीशन' वाले कांग्रेस के विज्ञापनों को लेकर भाजपा नेता की शिकायत पर दर्ज हुआ था। 'करप्शन रेट कार्ड' वाले इस विज्ञापन को राहुल गांधी ने भी सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इसके बाद भाजपा नेता केशव प्रसाद ने राहुल गांधी, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप था कि कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के दौरान विज्ञापनों में तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई समेत भाजपा नेताओं पर सरकारी ठेकों से 40% कमीशन लेने का झूठा

आरोप लगाया। मामले में कर्नाटक की अदालत ने 23 फरवरी 2024 को सिद्धारमैया, डीके शिवकुमार और राहुल गांधी को समन जारी किया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 1 जून 2024 को सिद्धारमैया, शिवकुमार को और 7 जून 2024 को राहुल को जमानत दे दी थी। हालांकि राहुल गांधी ने समन को हाईकोर्ट में भी चुनौती दी थी। हाईकोर्ट के जस्टिस सुनील दत्त यादव की सिंगल बेंच ने आदेश पारित करते हुए कहा कि राहुल गांधी की याचिका मंजूर की जाती है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले की कार्यवाही आगे बढ़ाना कानून की प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल होगा। कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान कांग्रेस ने अपने अभियान में पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई की तस्वीर वाले 'PayCM' लिखे पोस्टर लगाए थे। इसमें क्यूआर कोड शामिल था, जिसे स्कैन करने पर '40 प्रतिशत सरकार' वाली वेबसाइट खुलती थी। कांग्रेस का दावा था कि बीजेपी के शासन के दौरान 40 फीसदी कमीशन लिया जाता था। कांग्रेस ने दावा किया था कि BJP सरकार ने 40% कमीशन रेट को मॉडल बना दिया था। BJP की कानूनी इकाई के एक वकील विनोद कुमार ने भी अभियान को लेकर कांग्रेस नेताओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में कोर्ट ने कांग्रेस नेताओं को 28 मार्च 2024 को MP/MLA कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। वहीं कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से '40 प्रतिशत कमीशन' के आरोपों की जांच 6 सप्ताह के अंदर पूरी करने का आदेश भी दिया था।

तारिक बांग्लादेश के प्रधानमंत्री बने,संसद भवन में शपथ हुई

ढाका,17 फरवरी 2026। बांग्लादेश में बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने संसद भवन में तारिक को पीएम पद की शपथ दिलाई। इसके साथ ही 18 महीने से चल रही अंतरिम सरकार का कार्यकाल खत्म हो गया। तारिक रहमान पहली बार प्रधानमंत्री बने हैं। इससे पहले आज दोपहर में बीएनपी के सांसदों ने उन्हें संसदीय दल का नेता चुना था। वह पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के बेटे हैं। 17 साल तक लंदन में रहने के बाद वह दो महीने पहले ही बांग्लादेश लौटे थे। रहमान के अलावा 25 कैबिनेट मंत्रियों और 24 राज्य मंत्रियों को भी पद की शपथ दिलाई है। इनमें एक हिंदू मंत्री निताई रॉय चौधरी भी शामिल है। वह कैबिनेट मंत्री बने। 25 कैबिनेट मंत्रियों में से 17 नए चेहरे

हैं। सभी 24 राज्य मंत्री नए हैं। पिछले गुरुवार को हुए आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 299 में से 209 सीटें जीतकर बहुमत के लिए जरूरी 150 के आंकड़े को पार कर लिया था। इसके अलावा 3 सीटों पर उसकी सहयोगी पार्टियों ने जीत हासिल की। इस बीच संविधान में बदलाव को लेकर सियासी टकराव तेज हो गया है। दरअसल, 12 फरवरी को संसद चुनाव के साथ 'जुलाई चार्टर' पर जनमत संग्रह भी हुआ था।

आईसीजी और गुजरात एटीएस ने समुद्री सीमा पर 203 किलो क्रिस्टलाइन ड्रग बरामद किया

नई दिल्ली,17 फरवरी 2026। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और गुजरात एटीएस ने बीती रातभर ऑपरेशन के बाद अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के पास मादक पदार्थ की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। पीछा करके पकड़ी गई नाव से संयुक्त टीम ने क्रिस्टलाइन कंटेंट के 203 किलो ड्रग्स बरामद किया, जो एक-एक किलो के पैकेट में था। पकड़ी गई नाव को चालक दल के दो सदस्यों के साथ आगे की जांच के लिए पोरबंदर लाया गया है। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने मंगलवार को बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर 16 फरवरी को रातभर भारतीय तटरक्षक बल ने गुजरात एटीएस के साथ मिलकर समुद्र में एक ऑपरेशन किया। गुजरात एटीएस से इनपुट मिलने के बाद कोस्ट गार्ड रीजन (उत्तर पश्चिम) में मल्टी मिशन पर तैनात आईसीजी जहाज को विदेशी नाव का पीछा करने के लिए डायवर्ट किया गया, जिस पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के पास मादक पदार्थ की तस्करी करने का शक था। उन्होंने बताया कि घनी अंधेरी रात के बावजूद आईसीजी के जहाज ने इंसानी और टेक्निकल सर्विलांस के जरिए संदिग्ध नाव की पहचान की। पास आ रहे आईसीजी शिप को देखकर संदिग्ध नाव आईएमबीएल की ओर भागने लगी।

चुनाव आयोग तुगलकी आयोग बना...बीजेपी के निर्देश पर 58 लाख वोटर्स के नाम हटवाए,भाजपा आईटी सेल ने एआई का इस्तेमाल किया : ममता

नई दिल्ली,17 फरवरी 2026। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला है। कोलकाता में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आयोग को तुगलकी आयोग बताया और आरोप लगाया कि भाजपा के निर्देश पर मतदाता सूची से लाखों नाम हटाए जा रहे हैं। ममता ने राज्य सचिवालय में पत्रकारों से बात करते हुए कहा- भाजपा के आईटी सेल की एक महिला कर्मचारी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करके बंगाल में 58 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए। ' ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा के निर्देश पर चुनाव आयोग स्पेशल इंटेशिल रिवीजन के दौरान बंगाल के मतदाताओं के नाम हटा रहा है। आयोग लोकतांत्रिक अधिकारों को छीन रहा है और आम लोगों से आतंकवादियों की तरह व्यवहार कर रहा है।

ममता बोली...चुनाव आयोग ने अफसरों को डिमोट किया,हम प्रमोट करेंगे : टीएमसी सुप्रीमो ने आरोप लगाया कि भाजपा

को खुश करने के लिए बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है। ममता ने चुनाव आयोग की ओर से निलंबित किए गए सात असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर का बचाव भी किया। ममता ने कहा- अगर चुनाव आयोग ने बंगाल सरकार के अधिकारियों को निशाना बनाया, तो हम उनकी रक्षा करेंगे और डिमोट किए गए अफसरों को प्रमोट करेंगे। ममता ने फिर से अपना दावा दोहराया और कहा एसआईआर के दबाव के कारण 160 लोगों की जान चली गई।

ममता ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी दलीलें रखी थीं...

ममता बनर्जी ने बंगाल में एसआईआर के खिलाफ अपनी याचिका पर 4 फरवरी को खुद दलीलें रखी थीं। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में यह पहला मौका था जब किसी राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री ने कोर्ट में पेश होकर अपनी दलीलें रखीं। मुकदमों में आमतौर पर मुख्यमंत्रियों के वकील या सलाहकार ही पेश होते हैं। ममता ने आरोप लगाया था कि बंगाल चुनाव आयोग के निशाने पर है। ममता ने कहा था...जो काम 2 साल में होना था, उसे 3 महीने में करवाया जा रहा है। खेतीबाड़ी के मौसम में लोगों को परेशान किया जा रहा है। असम और नॉर्थ ईस्ट के बाकी राज्यों में एसआईआर क्यों नहीं हो रहा है।

देश में एआई में दो सालों में आएगा 200 अरब डॉलर निवेश : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली,17 फरवरी 2026। केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में कहा कि आने वाले दो वर्षों में भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्षेत्र की पांचों परतों में 200 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश आने की उम्मीद है। जोखिम पूंजी कंपनियां गहन तकनीक स्टार्टअप्स, बड़े समाधान और अनुप्रयोगों, अत्याधुनिक मॉडल्स पर शोध और बुनियादी ढांचा और ऊर्जा परतों में निवेश कर रही हैं। इस मौके पर केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी

राज्यमंत्री जितिन प्रसाद भी मौजूद रहे। वैष्णव ने यहां भारत मंडपम में एक सत्र में कहा कि भारत की एक बड़ी ताकत यह है कि देश की 51 प्रतिशत बिजली उत्पादन क्षमता स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से आती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता और स्वच्छ ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता के कारण यह संभव हुआ है।

एआई के लिए ऊर्जा परत में निवेश का यह बड़ा लाभ भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा। उन्होंने एआई के संभावित खतरों को बताते हुए कहा कि वैश्विक नेताओं के बीच इस बात पर सहमति बन रही है कि एआई का इस्तेमाल अच्छे कार्यों के लिए होना चाहिए और इसके हानिकारक प्रभावों को रोकना जरूरी है। इसके लिए केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं होगा,बल्कि तकनीकी और कानूनी दृष्टिकोण अपनाना होगा। भारत का कृत्रिम बुद्धिमत्ता सुरक्षा संस्थान कई शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर ऐसे तकनीकी समाधान तैयार कर रहा है,जो एआई के दुष्प्रभावों को रोक सकें। एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेनसन हुआंग के सम्मेलन में शामिल न होने पर वैष्णव ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से आने में असमर्थता जताई, लेकिन अपनी वरिष्ठ टीम को भेजा है। एनवीडिया भारत की कई कंपनियों के साथ मिलकर एआई ढांचा और सॉफ्टवेयर के बड़े निवेश कर रहा है। वैष्णव ने कहा कि भारत अपने मजबूत आईटी सेक्टर में तकनीकी बदलाव को रणनीतिक रूप से संभाल रहा है। सरकार, उद्योग और शिक्षा संस्थानों के सहयोग से कर्मचारियों की प्रतिभाओं को निखारना, नई प्रतिभा तैयार करना और भविष्य की पीढ़ियों को तैयार करना प्रमुख उद्देश्य है। एआई आधारित रीस्किलिंग और 100 से अधिक कॉलेजों में पाठ्यक्रम सुधारों के जरिए युवाओं को वैश्विक अवसरों के लिए तैयार किया जा रहा है।

संपादकीय

भारत-अमेरिका समझौता अवसर और चुनौतियों भरे

व्यावहारिक एवं संतुलित क्रियान्वयन से ही निर्धारित होगी सफलता

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत की बढ़ती कूटनीतिक क्षमता का प्रमाण है,जो पारस्परिक सम्मान पर आधारित है। यह भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार तक पहुंच प्रदान करेगा और अमेरिकी निवेश को आकर्षित करेगा। अमेरिका के लिए यह चीन पर निर्भरता कम करने का रणनीतिक अवसर है। समझौते की सफलता घरेलू सुधारों,मजबूत बुनियादी ढांचे और प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी, जिससे भारत वैश्विक नेतृत्वकर्ता बन सकता है...

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की अप्रत्याशित और अस्थिर व्यापारिक प्रवृत्तियों एवं टैरिफ के निरंतर बढ़ते दबावों के बीच भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर सहमति बनना भारत की सशक्त होती कूटनीतिक क्षमता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। विपरीत परिस्थितियों में भी भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि कोई भी व्यापार समझौता एकतरफा या अमेरिका-केंद्रित नहीं होगा, बल्कि पारस्परिकता,सम्मान और बराबरी के सिद्धांतों पर आधारित होगा।

यह भारत के उस बदले हुए आत्मविश्वास को दर्शाता है,जिसके तहत भारत अब केवल रियायतें मांगने वाला देश नहीं रहा, बल्कि आर्थिक वृद्धि की निरंतर गति,राजनीतिक निरंतरता और डिजिटल क्रांति के बल पर एक प्रभावशाली वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है। अमेरिका के लिए भी यह तथ्य स्पष्ट होता जा रहा है कि भारत की सहभागिता के बिना वैश्विक आर्थिक संतुलन और रणनीतिक लक्ष्यों को साधना दिन-प्रतिदिन कठिन होता जाएगा। यह परिवर्तन केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक और कूटनीतिक भी है, जो शक्ति-संतुलन में भारत की बढ़ती स्वीकार्यता को रेखांकित करता है।

भारत के दृष्टिकोण से भावी व्यापार समझौते के आर्थिक लाभ बहुआयामी और दूरगामी हैं। सर्वप्रथम भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में व्यापक पहुंच मिलने की संभावना प्रबल हुई है। भारत-अमेरिकी संबंध स्टील और एल्यूमीनियम शुल्क,कृषि सब्सिडी,बौद्धिक संपदा अधिकार तथा वीजा जैसे मुद्दों से आगे बढ़कर आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती,विनिर्माण सहयोग,तकनीक और नवाचार, लाजिस्टिक्स एवं मानकीकरण जैसे क्षेत्रों में संरचनात्मक साझेदारी की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

अमेरिकी कंपनियों द्वारा भारत में निवेश बढ़ने की संभावना से पूंजी, उन्नत तकनीक और आधुनिक प्रबंधन कौशल का प्रवाह संभव होगा। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के संदर्भ में यह व्यापार समझौता संभावनाओं के नए क्षितिज खोलता है। अमेरिका के साथ व्यापार समझौता भारत के साथ अमेरिका के आर्थिक हितों की भी पूर्ति करता है। हाल के वर्षों में चीन की आर्थिक नीतियों, भू-राजनीतिक आक्रामकता और आपूर्ति श्रृंखला में बार-बार के व्यवधानों से अमेरिका की चीन पर अत्यधिक निर्भरता अब केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि एक रणनीतिक जोखिम बन चुकी है।

ऐसे परिदृश्य में भारत का विशाल और युवा श्रमबल, सुदृढ़ लोकतांत्रिक संस्थाएं,नियम-आधारित आर्थिक व्यवस्था एवं तीव्र गति से विकसित हो रही तकनीकी क्षमताओं के कारण अमेरिका का झुकाव भारत की ओर बढ़ा है। रक्षा, डिजिटल सेवाओं,कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वच्छ ऊर्जा जैसे अग्रणी क्षेत्रों में सहयोग अमेरिका की दीर्घकालिक रणनीतिक प्राथमिकताओं में बदलाव का स्पष्ट संकेत है। जो स्वीकार्यता पहले परोक्ष और अनौपचारिक थी, वह अब अमेरिका की रणनीतिक और व्यापारिक नीति का घोषित अंग बन सकती है।

समग्र दृष्टि से देखा जाए तो भारत-अमेरिका व्यापार समझौता मात्र एक आर्थिक दस्तावेज नहीं,बल्कि भारत की परिवर्तित होती वैश्विक पहचान का सशक्त प्रतीक है। यह न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने में सक्षम है, बल्कि वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक व्यवस्था को दिशा देने की क्षमता भी रखता है। यदि यह समझौता दूरदर्शिता,संतुलन और सुदृढ़ घरेलू सुधारों के साथ लागू किया गया,तो यह भारत को एक विकसित,आत्मनिर्भर और वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में बहुत उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

ब्रिटेन,न्यूजीलैंड,ओमान,यूरोपीय संघ से व्यापार समझौते भारतीय एमएसएमई को न केवल उत्पादन विस्तार, बल्कि गुणवत्ता, मानकीकरण और प्रतिस्पर्धात्मकता के अंतरराष्ट्रीय मानकों तक पहुंचने में सक्षम बना सकते हैं। इससे घरेलू उद्योगों की संरचना अधिक सुदृढ़ होगी,व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन को गति मिलेगी और क्षेत्रीय आर्थिक असंतुलनों को कम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान होगा। समकालीन वैश्विक व्यवस्था में व्यापार अब केवल आर्थिक लेनदेन का माध्यम नहीं रह गया है,बल्कि भू-राजनीतिक प्रभाव, शक्ति-संतुलन और रणनीतिक हितों को साधने का एक प्रभावी उपकरण बन चुका है। क्वाड,इंडो-पैसिफिक सहयोग और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते जैसी पहल अब पृथक प्रयास न होकर एक साझा रणनीतिक दृष्टिकोण के अंतर्गत संचालित हो रही हैं। यह आर्थिक कूटनीति का आधुनिक स्वरूप है,जहां व्यापारिक साझेदारियां रणनीतिक उद्देश्यों को मजबूती देती हैं और रणनीतिक सहयोग आर्थिक अवसरों के नए द्वार खोलता है। यद्यपि व्यापार समझौते से उत्पन्न होने वाले अवसर व्यापक और दूरगामी हैं, किंतु चुनौतियां भी कम नहीं हैं।

घरेलू उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप सक्षम बनाना,नियामक सुधारों को गति देना,श्रम सुधारों को संतुलित ढंग से आगे बढ़ाना तथा लॉजिस्टिक्स और इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करना अनिवार्य होगा। यदि इन आंतरिक सुधारों पर समुचित और समयबद्ध ध्यान नहीं दिया गया,तो अमेरिका से होने वाले और अन्य देशों के साथ हुए व्यापार समझौतों से प्राप्त संभावनाएं सीमित प्रभाव तक ही सिमट सकती हैं। व्यापार समझौतों की वास्तविक सफलता उनके औपचारिक अनुमोदन में नहीं,बल्कि उनके प्रभावी,व्यावहारिक और संतुलित क्रियान्वयन में निहित होगी।

एक बिहारी पाकिस्तान पर पड़ा भारी

संजीव ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच केवल खेल नहीं,बल्कि भावनाओं, इतिहास और राष्ट्रीय गौरव का संगम होता है। जब भी भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होते हैं, तो पूरा उपमहाद्वीप की सांसें थम जातीं है। स्टेडियम की हर सीट,टीवी की हर स्क्रीन और दिल की हर धड़कन उसी एक क्षण पर टिकी रहती है।

ऐसे ही एक रोमांचक मुकाबले में 15 फरवरी 26 को भारत पाकिस्तान टी 20 क्रिकेट मैच के मुकाबले में एक बिहारी,पाकिस्तान पर भारीकहावत चरितार्थ हुई,जब बिहार की धरती से निकले युवा बल्लेबाज़ ईशान किशन ने अपने दमदार प्रदर्शन से मैच का रुख पलट कर रख दिया। उसने टी 20 विश्व कप 26 टूर्नामेंट में पाकिस्तान के मुकाबले 40 गेंद में 77 रन बनाकर मैच को भारत के पक्ष में खड़ा कर दिया और इंडिया 175 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर पाई इसके मुकाबले में पाकिस्तान 119 रन बनाकर आउट हो गई और भारत शानदार ऐतिहासिक रूप से 61 रनों से जीत गई।

मुकाबले की पृष्ठभूमि में सदैव भारत पाकिस्तान का मैच दबाव से भरा होता है। गेंदबाज़ी तेज,फील्डिंग चुस्त और हर रन की कीमत सोने के बराबर होती है। पाकिस्तान की टीम ने शुरुआती ओवरों में सटीक गेंदबाज़ी कर भारतीय शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। स्कोरबोर्ड पर दबाव साफ दिखाई दे रहा था।

ऐसे समय में क्रीज़ पर आए ईशान किशन चेहरे पर आत्मविश्वास,बल्ले में आक्रामकता और आंखों में जीत का जज़्बा।।ईशान किशन ने संघर्ष से शिखर तक पहुंचने में एड़ी चोटी का जोर लगाकर अपना करियर बनाया।

बिहार जैसे राज्य से अंतराष्ट्रीय क्रिकेट तक का सफर आसान नहीं होता। सीमित संसाधन,कम अवसर, और कड़ी प्रतिस्पर्धा इन सबके बीच ईशान ने अपने हुनर और मेहनत से जगह बनाई।

उनकी बल्लेबाज़ी की खासियत ही है तेज शुरुआत, स्पिन के खिलाफ बेखौफ शॉट्स और दबाव में संयम। यही गुण उस दिन भारत के काम आया।

मैच का टर्निंग पॉइंट

जब पहला विकेट अभिषेक शर्मा का जीरो पर गिर गया और रन गति थम गई थी, तब ईशान ने परिस्थिति को भांपते हुए पहले पारी को संभाला और फिर आक्रमण शुरू किया।कवर ड्राइव से आत्मविश्वास जताया पुल शॉट से गेंदबाज़ों पर दबाव बनाया स्पिनरों के खिलाफ आगे बढ़कर छक्के जड़े

उनकी पारी ने न सिर्फ रन जोड़े,बल्कि ड्रेसिंग रूम में विश्वास भी लौटाया। जहां मैच पाकिस्तान की पकड़ में जाता दिख रहा था,वहीं ईशान की विस्फोटक बल्लेबाज़ी ने संतुलन भारत की ओर मोड़ दिया। मानसिक मजबूती का परिचय भारत-पाक मुकाबले में मानसिक दबाव सबसे बड़ा प्रतिद्वंदी होता है। ऐसे माहौल में युवा खिलाड़ी अक्सर घबरा जाते हैं। लेकिन ईशान ने परिपक्वता दिखाई,हर गेंद को उसके गुण के अनुसार खेला, अनावश्यक जोखिम से बचे और सही समय पर आक्रमण किया। उनकी पारी केवल रन नहीं थी वह आत्मविश्वास का संदेश थी।

क्रिकेट में जीत टीम की होती है, लेकिन कुछ पारियां इतिहास में दर्ज हो जाती हैं। उस दिन ईशान किशन ने साबित किया कि प्रतिभा क्षेत्र नहीं देखती–बिहार की मिट्टी से निकला खिलाड़ी भी विश्व मंच पर चमक सकता है।

एक बिहारी,पाकिस्तान पर भारी केवल नारा नहीं रहा,बल्कि उस दिन की सच्चाई बन गया। भारत पाकिस्तान मुकाबले की कहानी में यह अध्याय हमेशा याद किया जाएगा जब एक युवा बल्लेबाज़ ने दबाव को अवसर में बदल दिया और मैच का रुख पलट दिया।

कांग्रेस पर भारी पड़ता राहुल का रवैया

बयानों में तर्क और तथ्य का अभाव

राहुल गांधी ने संसद में गलवन मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरा, जनरल नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक का हवाला दिया। लेखक उनके दावों का खंडन करते हुए कांग्रेस के कमजोर सीमा सुरक्षा रिकॉर्ड और मोदी सरकार के मजबूत रुख पर प्रकाश डालते हैं। लेख राहुल गांधी के आक्रामक, तथ्यहीन रवैये और अपरिपक्व व्यवहार की आलोचना करता है, जो कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति को कमजोर कर रहा है और सार्थक विमर्श में बाधा डाल रहा है।

संजय गुप्त

संसद के बजट सत्र में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई तो राहुल गांधी ने 2020 में गलवन में चीनी सेना के साथ हुई खूनी झड़प के बहाने मोदी सरकार को घेरना आवश्यक समझा। समझना कठिन रहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने के बजाय उन्होंने चीन के साथ हुए संघर्ष और तनाव का मुद्दा क्यों उठाया?

उनकी मानें तो उन्होंने इस विषय को इसलिए उठाया, क्योंकि भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कांग्रेस शासन की विफलताओं को रेखांकित किया था और आतंकवाद एवं माओवाद से निपटने में उसकी कमजोर इच्छाशक्ति का उल्लेख किया था। इसे राहुल ने कांग्रेस की देशभक्ति पर सवाल समझा और उसका जवाब देने के लिए वे गलवन संघर्ष के समय जनरल नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के एक पत्रिका में छपे अंश पढ़ने की कोशिश करने लगे। जब लोकसभा अध्यक्ष ने उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं दी तो वे जनरल नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक की कथित प्रति संसद परिसर में लहराने लगे। राहुल के हिसाब से इस पुस्तक के जो अंश एक पत्रिका में छपे हैं, उनके अनुसार गलवन की घटना के बाद जब चीनी सेना के टैंक भारत की ओर बढ़ रहे थे तो प्रधानमंत्री की ओर से उन्हें स्पष्ट निर्देश नहीं दिए गए। पता नहीं पत्रिका ने नरवणे की पुस्तक के अंशों की ऐसी व्याख्या कैसे की, क्योंकि वे यही बताते हैं कि प्रधानमंत्री ने उनसे कहा था कि जो उचित समझें, वह करें। आखिर इसमें किसी तरह की अस्पष्टता की गुंजाइश कहां रह जाती है? ध्यान रहे कि खुद जनरल नरवणे कई बार कह चुके हैं कि भारतीय सेनाओं ने चीनी सेनाओं को सबक सिखाया।

जहां तक गलवन संघर्ष को लेकर जनरल नरवणे के पुस्तक लिखने की बात है, यह अस्वाभाविक सा है कि कोई सेनाध्यक्ष हालिया सैन्य संघर्ष पर अपने संस्मरण लिखे। इसी कारण रक्षा मंत्रालय ने अभी तक उनकी पुस्तक के प्रकाशन की अनुमति नहीं दी है। इस पुस्तक में क्या लिखा है,इस पर कुछ कहना कठिन है। इस अप्रकाशित पुस्तक के अंश सार्वजनिक कैसे हुए, इसकी दिल्ली पुलिस जांच कर रही है,क्योंकि प्रकाशक का कहना है कि उसकी ओर से जनरल नरवणे की पुस्तक किसी भी रूप में प्रकाशित नहीं हुई है। प्रश्न यह है कि फिर राहुल कौन सी पुस्तक लहराते घूम रहे थे? वे जो भी पुस्तक लिए घूम रहे हों, इसमें संदेह नहीं कि उनकी ओर से यह साबित करने की कोशिश हो रही कि मोदी सरकार सीमाओं की रक्षा और खासकर चीन से निपटने के मामले में कमजोर है। यह एक विडंबना ही है कि इसे प्रचारित करने का काम उस कांग्रेस के नेता कर रहे हैं, जिसका सीमाओं की रक्षा के मामले में रिकार्ड बहुत कमजोर रहा है।

यह तथ्य है कि कांग्रेस शासनकाल में जहां कश्मीर के एक हिस्से पर पाकिस्तान ने कब्जा किया,वहीं चीन ने भी भारत की सैकड़ों वर्ग किमी भूमि हड़पी। यह ठीक है कि तब भारत आज जितना शक्तिशाली नहीं था, पर सब जानते हैं कि कांग्रेस की सरकारों ने बाद में भी पाकिस्तान और चीन के प्रति रक्षात्मक रवैया ही रखा। यह एक स्थापित सत्य है कि पाकिस्तान और चीन से सीमा विवाद कांग्रेस शासन की ही देन हैं।

कांग्रेस सरकारों के बजाय मोदी शासन का रिकार्ड देखें तो साफ पता चलता है कि उसने पाकिस्तान से भी कड़ाई से निपटा और चीन से भी। पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और आपरेशन सिंदूर का असर किसी से छिपा नहीं। इसी तरह सब जानते हैं कि डोकलाम में भारतीय सेना ने चीनी सेना को पीछे हटने पर बाध्य किया और गलवन में संघर्ष के बाद भारत के अडिग रवैये से चीन वार्ता की मेज पर आने के लिए विवश हुआ।

यह प्रश्न अपनी जगह है कि आखिर चीन से सीमा विवाद का समाधान कब होगा, लेकिन इसके आधार पर यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि मोदी सरकार भारत की सीमाओं की रक्षा करने में कमजोर है,लेकिन राहुल गांधी लगातार यही साबित करने पर तुले हैं। कभी वे कहते हैं कि मोदी के रहते चीन ने हमारी जमीन कब्जा ली है और कभी कहते हैं कि प्रधानमंत्री चीन से डरते हैं। चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये के मामले में राहुल गांधी को यह भूलना नहीं चाहिए कि उसका यह रवैया कांग्रेस के शासनकाल में भी था और तब उसका सामना इतनी दृढ़ता से नहीं किया जा सका।

राहुल गांधी किस तरह खीझे और सत्तापक्ष से चिढ़े रहते हैं, इसका पता इससे चलता है कि संसद परिसर में उन्होंने केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को गद्दार दोस्त कह दिया। इसके अलावा उन्होंने उन पर यह तंज भी कसा कि अंततः उन्हें कांग्रेस में ही आना होगा। इसी तरह सदन में पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल से वे यह कह बैठे कि आप हमारी पार्टी के पूर्व सदस्य हैं और मुझे पता है कि आपका दिल हमारी तरफ है। आखिर इसे उनकी अपरिपक्वता न कहा जाए तो क्या कहा जाए?

जब संसद में बजट पर चर्चा शुरू हुई, तब भी राहुल गांधी अकारण गुस्से में दिखे। उन्होंने अमेरिका के साथ होने वाले व्यापार समझौते पर बिना किसी प्रमाण यहां तक कह दिया कि प्रधानमंत्री ने देश को बेचने का काम किया है। उनकी भाव भंगिमा किसी उग्र और हताश युवराज जैसी दिखती है। वे सत्तापक्ष के प्रति हिकारत अधिक दिखाते हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि वे सदन में उलटा-सीधा बोलकर चलते बनते हैं। यह उनके अहंकार को ही प्रदर्शित करता है।

उनका उग्र स्वभाव न तो कांग्रेस को कोई सही संदेश देता है और न ही देश की जनता को। वे संसद में बोल रहे हों या किसी रैली में या फिर पत्रकार सम्मेलन में, उनकी उग्रता के साथ उनकी कुंठा भी झलकती है। वे एक कुंठित नेता के रूप में उभर रहे हैं। उनके तीखे-उग्र बयान चर्चा में तो आ जाते हैं, लेकिन वे किसी विमर्श का कारण नहीं बनते, क्योंकि उनमें तर्कों और तथ्यों का अभाव होता है।

वैसे तो विपक्ष में रहते हुए हर दल सरकार पर आरोप लगाता है, लेकिन यदि कोई दल ऐसा करते समय तर्कों और तथ्यों की तनिक भी परवाह नहीं करता तो फिर वह अपना असर खो देता है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की आज यही स्थिति है। वह प्रभावी विपक्ष के रूप में नजर नहीं आती। इसी कारण कांग्रेस की राजनीतिक जमीन लगातार कमजोर हो रही है।

भारतीय न्याय व्यवस्था में एआई का महत्व

सुभाष बुड़ावनवाला
रतलाम,मध्यप्रदेश

हाल ही में आयोजित इंडिया एआई इंपैक्ट शिखर सम्मेलन के अवसर पर न्यायपालिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर गंभीर मंथन हुआ। यह विषय इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत की न्याय व्यवस्था लंबे समय से लंबित मामलों के बोझ से जूझ रही है। करोड़ों मुकदमे विभिन्न अदालतों में विचाराधीन हैं और आम नागरिक वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा करता है। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि तकनीक की मदद से न्यायिक प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, त्वरित और सुलभ बनाया जाए।

भारत में पहले से चल रही ई-कोर्ट परियोजना ने न्यायालयों के डिजिटलीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अब एआई आधारित टूल्स इस व्यवस्था को और अधिक सक्षम बना रहे हैं। मशीन लर्निंग तकनीक के माध्यम से अदालती फैसलों का अंग्रेजी से क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है, जिससे न्याय आमजन की भाषा में उपलब्ध हो सके। इससे न्याय की पारदर्शिता और समझ दोनों बढ़ती हैं। इसी प्रकार एआई टूल्स फाइलों का विश्लेषण कर प्रासंगिक धाराओं,पूर्व निर्णयों और कानूनी उदाहरणों को तेजी से खोजने में सहायता कर रहे हैं, जिससे न्यायाधीशों और वकीलों का समय बचता है।

कुछ न्यायालयों में गवाहों के बयान को सीधे डिजिटल टेक्स्ट में बदलने की तकनीक का उपयोग हो रहा है। इससे न केवल समय की बचत होती है, बल्कि त्रुटियों की संभावना भी कम होती है। भविष्य में वॉइस रिकग्निशन और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग आधारित प्रणालियां बहुभाषी सुनवाई को सरल बना सकती हैं। इससे ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को भी न्यायिक प्रक्रिया में समान अवसर मिल सकेगा।

ऑनलाइन सुनवाई की व्यवस्था ने यह सिद्ध कर दिया है कि हर मामले में शारीरिक उपस्थिति अनिवार्य नहीं है। कैदियों को हर तारीख पर सुरक्षा व्यवस्था के साथ अदालत लाने में जो भारी खर्च और जोखिम होता है,उसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और एआई समर्थित डिजिटल प्रबंधन से काफी हद तक कम किया जा सकता है। छोटे-मोटे यातायात उल्लंघन या साधारण जुर्माने वाले मामलों में स्वचालित प्रणाली के माध्यम से शीघ्र निपटान संभव है। इससे अदालतों का बोझ कम होगा और गंभीर मामलों पर अधिक ध्यान दिया जा सकेगा।

हालांकि यह भी स्पष्ट है कि एआई कभी भी मानवीय विवेक का स्थान नहीं ले सकती। न्याय केवल तथ्यों का विश्लेषण नहीं,बल्कि संवेदनशील परिस्थितियों, सामाजिक संदर्भों और नैतिक मूल्यों की भी समझ मांगता है। इसलिए एआई को सहायक उपकरण के रूप में ही प्रयोग किया जाना चाहिए,न कि अंतिम निर्णयकर्ता के रूप में। डेटा सुरक्षा, गोपनीयता और एल्गोरिदमिक पक्षपात जैसी चुनौतियों पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा। दुनिया के अनेक विकसित देशों ने न्यायिक और प्रशासनिक तंत्र में एआई का व्यापक उपयोग प्रारंभ कर दिया है। भारत भी यदि समय के साथ कदम मिलाना चाहता है, तो न्यायपालिका में तकनीकी नवाचार को संस्थागत रूप देना होगा। प्रशिक्षण, आधारभूत ढांचे और स्पष्ट नीतिगत दिशा के साथ एआई न्यायिक सुधार का सशक्त माध्यम बन सकती है।

निष्कर्षतः,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस न्याय की गति बढ़ाने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने और आम नागरिक को शीघ्र राहत दिलाने का एक प्रभावी साधन बन सकती है। यदि इसका संतुलित और जिम्मेदार उपयोग किया जाए,तो यह भारतीय न्याय व्यवस्था को अधिक आधुनिक,सक्षम और जनोन्मुख बना सकती है।

कैसे होते हैं ये साहित्यकार

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर,बिहार

कैसे होते है ये साहित्यकार,ये सवाल कई लोगों के मन का है। तो सोचा आज बता ही दूं कि हम साहित्यकार दिल के साफ, संवेदनशील,कल्पनाशील,मानवीय भावनाओं के धनी होते हैं और हम प्रखर अवलोकन क्षमता रखते हैं। सबसे खास बात हम समाज में हो रही घटना को सरल-सहज शब्दों से संजाते हैं और अपनी कविताओं, कहानियों के माध्यम से साझा करते है। जो शायद हमारी कहानियों में देखने को मिलता हैं, ये अहंकार नहीं,बल्कि लोगों का स्नेह,प्यार और आशीर्वाद बताता है। अक्सर जब भी मैं कुछ कहानी या कविता लिखती हुं,तो हर दूसरे इंसान को लगता है कि मैं उसके बारे में लिखी हूं। लेकिन सच ये है कि हम साहित्यकार काल्पनिक दुनिया में जीते हैं जहां हम इंसान,जानवर, पशु, पक्षी और कई बार वस्तुओं से प्यार करते हैं और बाद में तुलना भी करते हैं। कहते हैं कि जिसका दिल टूट जाता है वो शायर बनता है,जिसका दिल लग जाता है उसका डायरी भर जाता है। लेकिन मुझे लगता है कि साहित्य,एक ऐसा माध्यम है जहां हम अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकते है क्योंकि आज के इस आधुनिक दुनिया में किसी के पास इतना समय ही नहीं कि वो किसी के दिल का हाल सुन सकें और ना ही इतनी रूचि रखते है तभी तो रिश्ते भी अब कागज़ और कलम पर चल रही हैं इसलिए तो अब कोट मैरिज करना पड़ रहा है लोगों को। खैर! हम साहित्यकार है इसलिए हम हर रोज कुछ ना कुछ पढ़ते जरूर है और अपने आस-पास के हर इंसान, वस्तु पर ध्यान भी देते हैं तभी तो हर बार नए विषय पर अपने शब्दों के माध्यम से ताज़ा खबरों को कहानी व कविता के माध्यम में प्रस्तुत करते हैं क्योंकि हम साहित्यकारों पर समाज के प्रति बहुत जिम्मेदारी होती है और कहते हैं कि राजनीति जब-ज ब लड़खड़ाती है तब साहित्य ही उसे संभालता है। साहित्य सिर्फ मनोरंजन का एक साधन नहीं है बल्कि साहित्य से कई मनुष्यों के जीवन में परिवर्तन आया है। इसलिए हम साहित्यकार हर भाव को लिखते हैं क्योंकि किसी को नहीं पता कि किसकी कौन सी लाइन किसको भा जाए। ऐसे तो हमें गद्य-पद्य दोनों में लिखते है। क्योंकि जब हम छंद लिखते हैं तो भाषा के सौंदर्य और भावनात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करती हूं, लेकिन जब मैं गद्य लिखती हूं तो विभिन्न भावों को कथात्मक व विषयगत तत्वों पर ध्यान केंद्रित करती हूं। तो बस हम साहित्यकार ऐसे ही होते हैं, दिल के कोमल और शब्दों के बाण साथ लेकर चलते हैं,हम साहित्यकार हर किसी के दिल में बसते हैं।

वक्त आया है इम्तिहान का...

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण,छत्तीसगढ़

वक्त आया इम्तिहान का
अपने को आजमाने का
तुझमें भी है वो काबिलियत,
कमाल दिखाने का
दिखादे बनके सिकंदर,
तू ही है सारे जमाने का
लिखेगा तू अपना मुकद्दर,
वक्त है अब जीतने का।
तू है नही इतना नादान,
वक्त है जज्बा दिखाने का
आ गया है अब दौर ये,
स्वयं का मुकद्दर बनाने का
तुझमें हिम्मत है,हौसला है,
अब बाजी लगाने का
तू जीतेगा,तेरे सर तोड़ होगा,
जहां को दिखाने का।
तू आगे बढ,कदम बड़ा,
तेरा कदम है ये बढ़ाने का
तुझमे हिम्मत है,ताकत है,
तुझे नही है घबराने का
तेरा लक्ष्य है,तेरी मंजिल है,
तू नही है अनजाने का
तुझमें भी है स्वाभिमान,
कायर नही डर जाने का।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

CMYK

प्लेस ऑफ सेफ्टी से 15 फरार...सुरक्षा व्यवस्था पर ताला या ताला ही गायब?

सुरक्षा गृह बना 'फ्रीडम जोन'! 25 की जगह 36 बच्चे,तीन गार्ड बेबस

जघन्य अपराध के किशोर दीवार फांद गए...बाल संरक्षण तंत्र सोता रहा...

- 15 अपचारी फरारः बाल संरक्षण विभाग की लापरवाही या प्रशासनिक मिलीभगत?
- अंबिकापुर प्लेस ऑफ सेफ्टी कांड : क्षमता से ज्यादा बच्चे,सुरक्षा ढीली,जवाबदेही शून्य

-न्यूज डेस्क-
अंबिकापुर,17 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
नाम है 'प्लेस ऑफ सेफ्टी' – यानी सुरक्षा का स्थान, पर बिशुनपुर स्थित इस बाल गृह से सोमवार रात 15 अपचारी किशोर एक साथ दीवार फांदकर निकल जाएं,तो सवाल उठता हैः सुरक्षा किसके लिए थी – बच्चों के लिए या कागज़ों के लिए? रात करीब 9 बजे भोजन के बाद जब किशोरों को कमरों में ले जाया जा रहा था, तभी हालात ऐसे बदले कि ड्यूटी पर तैनात गार्ड को धक्का देकर कुछ किशोरों ने हमला किया और परिसर की दीवार पार कर गए, तीन गार्ड मौजूद थे; पर 15 किशोर 'मुक्ति अभियान' में सफल रहे, पुलिस हरकत में आई, 5 को पकड़ लिया गया, 2 लौट आए, और 8 अब भी फरार बताए जा रहे हैं। पर असली कहानी दीवार के उस पार नहीं, इस पार की है।

25 की क्षमता,36 का इंतज़ामः समायोजन या अव्यवस्था?

सूत्रों के मुताबिक इस प्लेस ऑफ सेफ्टी की स्वीकृत क्षमता 25 है,लेकिन भीतर 26 से लेकर 36 तक किशोर रखे गए,क्षमता से अधिक बच्चों को रखना क्या सुधारात्मक नीति का हिस्सा है या 'जगह है तो रख दो' मॉडल? क्या नियमित निरीक्षण में यह संख्या दिखी नहीं,या दिखकर भी अनदेखी हुई?

16+ आयु,जघन्य अपराध और सुरक्षा 'हल्की'?

यहां 16 से 18 वर्ष के वे किशोर रखे जाते हैं जो हत्या, दुष्कर्म, लूट जैसे गंभीर अपराधों में निरुद्ध हैं,ऐसे मामलों में उच्च स्तरीय सुरक्षा,सतत निगरानी और नियमित काउंसलिंग अनिवार्य मानी जाती है,फिर 15 किशोर एक साथ योजना बनाकर निकल कैसे गए? क्या सीसीटीवी सक्रिय थे? क्या अलार्म सिस्टम काम कर रहा था? क्या जोखिम आकलन (रिस्क असेसमेंट) नियमित हुआ?

अधिकतर कोरिया-मनेन्द्रगढ़ के...निगरानी कैसी?

बताया जा रहा है कि फरार किशोरों में अधिकतर कोरिया और मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र के हैं। यदि पृष्ठभूमि ज्ञात थी,तो क्या विशेष निगरानी प्रोटोकॉल बनाया गया? या 'सामान्य व्यवस्था' के भरोसे सब चल रहा था?

तीन गार्ड बनाम 15 किशोरः गणित नहीं...प्रबंधन की हार

तीन गार्ड 15 किशोरों को नहीं रोक पाए। सवाल गार्डों की नीयत का नहीं, प्रशिक्षण और संसाधनों का है,क्या उन्हें भीड़ नियंत्रण,संकट प्रबंधन,या आत्मरक्षा का प्रशिक्षण मिला? क्या पर्याप्त स्टाफिंग मानक लागू हैं? क्या रात्रि पाली में अतिरिक्त सुरक्षा का प्रावधान था?

काउंसलिंगः फाइलों में या हकीकत में?

सुधार गृह का उद्देश्य सुधार है। नियमित मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, व्यवहारिक परामर्श और पुनर्वास योजना — ये बुनियादी अपेक्षाएं हैं, यदि किशोर सामूहिक रूप से आक्रामक होकर भाग सकते हैं, तो यह संकेत है कि व्यवहारिक निगरानी और काउंसलिंग या तो अपर्याप्त थी या औपचारिकता।

प्रबंधन पर आरोप,जवाबदेही कहाँ?

सूत्रों के हवाले से प्रभारी अधीक्षक की नियमित उपस्थिति और निगरानी पर प्रश्न उठे हैं,प्रभारी बाल संरक्षण अधिकारी को 'खुली छूट' जैसी चर्चा भी सामने आई है,(इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि शेष है।) पर यदि इतने संवेदनशील संस्थान में नियमित ऑडिट, आकस्मिक निरीक्षण और जवाबदेही तंत्र मजबूत होता, तो क्या यह घटना इतनी सहज होती?

सुबह पता चला : रात की चूक,दिन की हकीकत

जानकारी बाहर तब आई जब बच्चों के घर फोन कर पूछा गया, बच्चे पहुंचे तो नहीं?' यानी घटना रात की,संज्ञान सुबह का,क्या आपातकालीन प्रोटोकॉल था? क्या तत्काल हेडकाउंट और अलर्ट सिस्टम सक्रिय हुआ?

पूर्व घटनाएँ,सबक अधूरा?

सूत्रों का दावा है कि पहले भी फरारी के मामले सामने आए थे,यदि यह सही है,तो क्या सुधारात्मक कदम उठे? या हर घटना के बाद एक नई फाइल खुलती है और कुछ समय बाद बंद हो जाती है?

पुलिस सक्रिय,पर प्रणाली की परीक्षा

गांधीनगर थाना पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है,यह आवश्यक कार्रवाई है,परंतु यह भी उतना ही आवश्यक है कि जांच केवल फरार किशोरों की तलाश तक सीमित न रहे, जांच का दायरा होना चाहिए की क्षमता से अधिक निरुद्धीकरण की अनुमति किसने दी? सुरक्षा मानकों का अनुपालन क्यों नहीं हुआ? स्टाफिंग और प्रशिक्षण की स्थिति क्या है? काउंसलिंग और जोखिम मूल्यांकन का रिकॉर्ड क्या कहता है?

व्यंग्य कड़ा है,पर सवाल और कड़े

जब 'प्लेस ऑफ सेफ्टी' से 15 किशोर एक साथ निकल जाएं,तो दीवारें नहीं, व्यवस्था दरकती है, यदि सुधार गृह में सुधार की जगह समायोजन और निगरानी की जगह औपचारिकता हो, तो परिणाम सामने है, बाल संरक्षण कोई विभागीय मद नहीं यह समाज के भविष्य की सुरक्षा है, अब देखना है कि यह घटना भी कागज़ी चेतावनी बनकर रह जाएगी,या वाकई जवाबदेही तय होगी, सुरक्षा पुनर्गठित होगी और निरीक्षण सख्त होंगे।

ट्रक की टक्कर से महिला गंभीर घायल,उपचार के दौरान मौत

ऑक्सीजन नहीं लगाने का आरोप,परिजन भड़के...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
सड़क दुर्घटना में घायल महिला की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने डॉक्टरों पर समय पर इलाज नहीं करने का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में हंगामा किया। स्थिति बिगडने पर पुलिस को मौके पर बुलाया गया। जानकारी के अनुसार ज्योति मंडल (30 वर्ष),पति विजय मंडल,निवासी सिलफिली (थाना जयनगर) मंगलवार सुबह करीब 11 बजे पति के साथ बाइक से सिलफिली बैंक जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में ज्योति गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे,

जहां करीब दो घंटे बाद महिला की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि इमरजेंसी में महिला को केवल एक इंजेक्शन लगाकर वार्ड में भर्ती कर दिया गया। इसके बाद न तो कोई डॉक्टर देखने आया और न ही स्टाफ नर्स। परिजन ने बताया कि कुछ देर बाद महिला को सांस लेने में तकलीफ होने लगी, जिसकी जानकारी कई बार स्टाफ को दी गई, लेकिन ऑक्सीजन तक नहीं लगाया गया। परिजनों का कहना है कि समय पर इलाज मिलता तो उसकी जान बच सकती थी।

मौत के बाद हंगामा,पुलिस ने कराया पीएम : महिला की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया। विरोध को देखते हुए पुलिस को बुलाना पड़ा। पुलिस के समझाइश के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

अचानक बिगड़ी स्थिति : मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आरसी आर्या ने कहा कि पीएम रिपोर्ट में अंदरूनी अंगों,विशेषकर लिवर में गंभीर चोट की पुष्टि हुई है। ऐसे मामलों में मरीज सामान्य दिखता है लेकिन अचानक स्थिति बिगड़ जाती है। ऑक्सीजन का इसमें विशेष रोल नहीं था।

भृत्य के तबादले से कानूनगो शाखा ठप्प,तीन माह से बंद पड़ा राजस्व कार्यालय का काम, 300 से अधिक आवेदन लंबित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
तहसील कार्यालय की राजस्व कानूनगो शाखा में भृत्य के तबादले के बाद पिछले तीन माह से कामकाज पूरी तरह ठप्प हो गया है। शाखा में केवल एक कर्मचारी पदस्थ होने के कारण नकल संबंधी कार्य प्रभावित हो रहा है। स्थिति यह है कि रोजाना हजारों की संख्या में ग्रामीण तहसील कार्यालय पहुंच रहे हैं, लेकिन बिना काम कराए उन्हें वापस लौटना पड़ रहा है। कानूनगो शाखा में अब तक 300 से अधिक नकल संबंधी आवेदन लंबित बताए जा रहे हैं। वहीं नए आवेदन भी नहीं लिए जा रहे हैं। दस्तावेज समय पर नहीं मिलने से राजस्व प्रकरणों के निराकरण में भी देरी हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि विभागीय अधिकारियों को समस्या की जानकारी होने के बावजूद अब तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है। इससे आमजन के कई जरूरी कार्य अटके हुए हैं। तहसीलदार उमेश बाज ने बताया कि भृत्य के अभाव में कानूनगो शाखा का काम पिछले तीन माह से बंद है।

एनएच-343 की बदहाल सड़क और जल संकट को लेकर चक्काजाम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
अंबिकापुर से रामानुजगंज जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-343 की जर्जर स्थिति,जल समस्या, नाला निर्माण से किसानों को हो रही परेशानी तथा अवैध प्लॉटिंग व ब्लास्टिंग के विरोध में ग्रामीणों ने चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि समस्याओं का 10 दिवस के भीतर निराकरण किया जाए, अन्यथा क्षेत्र में प्रदेश स्तरीय उग्र आंदोलन किया जाएगा।

ज्ञापन में बताया गया कि एनएच-343 की हालत बेहद खराब हो चुकी है। जगह-जगह बड़े गड्ढे हैं और सडक़ निर्माण के दौरान अत्यधिक धूल उड़ रही है। कई स्थानों पर मिट्टी और मलबा मोड़ों के पास डंप कर दिया गया

है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है। राजपुरी के आगे आउटर रिंग रोड क्षेत्र में बनाए जा रहे नाले के कारण लगभग 100 किसानों की कृषि भूमि की सिंचाई व्यवस्था बाधित हो रही है। ग्रामीणों ने नाले का स्थान बदलने और निकासी के लिए अतिरिक्त पाइप लगाने की मांग की है। रानपुर, राजपुर, असोला और देवगढ़ ग्राम पंचायतों में पेयजल समस्या गंभीर बनी हुई है। जल जीवन मिशन के बावजूद पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है वहीं ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग और चट्टानों की ब्लास्टिंग की जा रही है, जिससे घरों में दरारें आ रही हैं और जन-धन को खतरा उत्पन्न हो गया है। चक्काजाम के दौरान निखिल विश्वकर्मा, सौरभ फिलिप, आशीष शील, तरण बाबरा, प्रिंस विश्वकर्मा, वैभव पांडेय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

फार्म-7 के दुरुपयोग का आरोप,कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा ज्ञापन

हजारों मतदाताओं के नाम कटवाने के प्रयास पर कार्रवाई की मांग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के दौरान फार्म-7 के माध्यम से वैध मतदाताओं के नाम कटवाने के कथित संगठित प्रयास के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील कुमार नायक से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपते हुए दोषियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि एसआईआर के दूसरे चरण में दावा-आपत्ति के दौरान भाजपा से जुड़े कुछ लोगों द्वारा जिलेभर में फार्म-7 का दुरुपयोग करते हुए हजारों मतदाताओं के नाम हटाने के आवेदन दिए गए। कांग्रेस के अनुसार अकेले अंबिकापुर शहर में 1143 मतदाताओं के नाम यह कहकर कटवाने का आवेदन प्रस्तुत किया गया कि संबंधित मतदाता मौजूद नहीं हैं।

अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने का आरोप : कांग्रेस ने दावा किया कि जिन

मतदाताओं के नाम कटवाने का आवेदन दिया गया, उनमें कई अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े लोग शामिल हैं। पार्टी ने इसे संगठित प्रयास बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।

भौतिक सत्यापन की मांग : जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने मांग की कि संबंधित मतदान केंद्र के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की मौजूदगी में नाम कटाने के लिए दिए गए आवेदनों का भौतिक सत्यापन कराया जाए। उन्होंने कहा कि यदि सत्यापन में आवेदन गलत पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 212 तथा जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 31 के तहत कार्रवाई की जाए।

निर्वाचन अधिकारी ने दिया आश्वासन

उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील कुमार नायक ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि बिना भौतिक सत्यापन के ड्राफ्ट सूची में शामिल किसी भी मतदाता का नाम विलोपित नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गलत फार्म-7 प्रस्तुत करने वालों पर विधिक अभिमत लेकर कार्रवाई की जाएगी।

थानों में अपराध दर्ज कराने की तैयारी

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं और बूथ लेवल एजेंटों को निर्देश दिया है कि फर्जी आवेदनों के खिलाफ थानों में अपराध दर्ज कराया जाए। साथ ही जल्द न्यायालय में परिवाद दायर करने की भी बात कही गई है। इस दौरान पीसीसी पदाधिकारी,कांग्रेस नेता और बड़ी संख्या में प्रभावित मतदाता मौजूद रहे।

विष्णुदेव साय के आगमन पर बदला दृश्य न बैनर,न पोस्टर...

कोरिया शहर क्यों दिखा 'साफ-सुथरा' या 'सुनसान' ?

विष्णुदेव साय का कोरिया दौरा 'शासकीय आयोजन' या 'राजनीतिक संवाद की कमी'?

प्रशासन आगे,संगठन पीछे...और सवालों के घेरे में पूरा प्रवास

-रवि सिंह-

कोरिया,17 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हालिया कोरिया दौरा प्रशासनिक दृष्टि से सुव्यवस्थित माना जा रहा है, लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे लेकर अलग तरह की चर्चा चल रही है, कई स्थानीय कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का कहना है कि पूरा कार्यक्रम 'पूर्णतः शासकीय' बनकर रह गया, जिसमें सत्ताधारी दल भाजपा की संगठनात्मक उपस्थिति अपेक्षित रूप से दिखाई नहीं दी, यह चर्चा केवल स्वागत-सत्कार तक सीमित नहीं, बल्कि संगठन और प्रशासन के बीच समन्वय को लेकर भी सवाल उठा रही है। बता दे की प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आगमन पर कोरिया जिले में इस बार एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने लोगों को ठिठककर सोचने पर मजबूर कर दिया, न बड़े-बड़े बैनर, न खंभों पर चिपके पोस्टर, न चौक-चौराहों पर स्वागत के फ्लेक्स की कतार, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कोरिया दौरे ने एक नया दृश्य पेश किया, एक ऐसा शहर, जो स्वागत के शोर से मुक्त था, यह बदलाव सकारात्मक है या राजनीतिक संकेत–इस पर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन इतना तय है कि इस बार का दृश्य लोगों को सोचने पर जरूर मजबूर कर गया, कोरिया कुमार चौक–जो कभी 'घड़ी चौक' के नाम से जाना जाता था और जहां मुख्यमंत्री के आगमन पर पोस्टरों की परतें चढ़ जाया करती थीं–इस बार असामान्य रूप से खाली नजर आया।

पहले क्या होता था?

जिले के पुराने राजनीतिक कार्यकर्ताओं के अनुसार मुख्यमंत्री के दौरे से पहले पूरा शहर पोस्टरों से पट जाता था, बिजली के खंभे, दीवारें, दुकानें–हर जगह स्वागत संदेश, संगठन की ताकत का प्रदर्शन भी होता था, कई बार तो यह चर्चा भी होती थी कि 'कौन सा गुट ज्यादा पोस्टर लगाएगा।

इस बार क्या बदला?

इस बार दृश्य अलग था,सवाल उठ रहे हैं क्या प्रशासन ने सख्ती दिखाई? क्या कार्यक्रम को पूर्णतः शासकीय रूप देने की रणनीति थी? क्या संगठनात्मक स्तर पर समन्वय की कमी रही? या फिर यह बदलती राजनीतिक संस्कृति का संकेत है? कुछ कार्यकर्ताओं का कहना है,कार्यक्रम प्रशासनिक था, इसलिए पोस्टरबाजी से बचा गया, तो वहीं कुछ राजनीतिक पर्यवेक्षक इसे 'संगठनात्मक ठंडक' का संकेत मान रहे हैं।

शहर साफ या सियासत शांत?

एक वर्ग इसे सकारात्मक बदलाव मान रहा है– 'कम से कम शहर पोस्टर प्रदूषण से मुक्त दिखा, दूसरी ओर कुछ लोगों का तर्क है कि राजनीतिक उत्साह की कमी भी साफ दिखाई दी, क्योंकि स्वागत की परंपरा अचानक थम जाए, तो सवाल उठना स्वाभाविक है।

प्रशासनिक रणनीति या संदेश?

संभव है कि–सुरक्षा कारणों से सीमित दृश्यता रखी गई हो, सरकारी कार्यक्रम को गैर-राजनीतिक स्वरूप देने की कोशिश की गई हो, या फिर पार्टी संगठन ने जानबूझकर सादगी अपनाई हो, लेकिन यह भी सच है कि ऐसे दृश्य पहले कभी नहीं देखे गए।

प्रतीकात्मक बदलाव?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कभी-कभी दृश्य बदलाव भी बड़ा संदेश देते हैं, जहां पहले पोस्टरों की प्रतिस्पर्धा होती थी, वहां इस बार सन्नाटा था, यह सन्नाटा–अनुशासन का संकेत है? या संगठनात्मक दूरी का? या फिर प्रशासनिक प्राथमिकता का?

जिला मुख्यालय में झंडों की अनुपस्थिति बनी चर्चा

आम तौर पर मुख्यमंत्री के आगमन पर पार्टी झंडे, बैनर और कार्यकर्ताओं की सक्रियता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, लेकिन इस बार जिला मुख्यालय में भाजपा के झंडों की अनुपस्थिति चर्चा का विषय बन गई, कुछ कार्यकर्ताओं ने अनौपचारिक बातचीत में कहा– 'दौरा शासकीय था, लेकिन संगठन की भूमिका बेहद सीमित दिखी।' हालांकि पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि चूंकि कार्यक्रम प्रशासनिक स्वरूप का था, इसलिए राजनीतिक प्रदर्शन जानबूझकर सीमित रखा गया।

कोरिया महोत्सव और मिनी स्टेडियम का आयोजन

कोरिया महोत्सव के नाम पर मिनी स्टेडियम में पहली बार विशाल डोम लगाया गया,आयोजन भव्य था,बड़ा मंच, लाइट-साउंड व्यवस्था, प्रशासनिक उपस्थिति लेकिन कार्यक्रम के औचित्य और जनभागीदारी को लेकर सवाल उठे, कुछ स्थानीय नेताओं का कहना है– 'जब कार्यक्रम जनता के नाम पर है, तो जनता की भागीदारी क्यों सीमित रही?' खर्च को लेकर भी चर्चा है, हालांकि प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि सभी व्यय नियमानुसार और स्वीकृत बजट के तहत हुए।

प्रशासन बनाम संगठनः दूरी या धारणा?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शासकीय कार्यक्रमों में प्रशासनिक प्रोटोकॉल का पालन अनिवार्य होता है, लेकिन यदि संगठन के कार्यकर्ता खुद को अलग-थलग महसूस करें, तो यह संवाद की कमी का संकेत हो सकता है, यह भी संभव है कि कार्यक्रम की प्रकृति को देखते हुए राजनीतिक गतिविधि सीमित रखी गई हो।

काफिले में भी दिखा 'प्रोटोकॉल' का दबदबा

मुख्यमंत्री के काफिले में प्रशासनिक अधिकारियों की गाड़ियां प्रमुखता से नजर आईं, स्थानीय स्तर पर यह चर्चा रही कि कई नेताओं की वाहनें शामिल नहीं थीं, इस पर सवाल उठा, क्या यह सुरक्षा और प्रोटोकॉल की अनिवार्यता थी, या संगठनात्मक समन्वय की कमी?

मुलाकात की सूचीः संगठन या प्रशासन?

कुछ कार्यकर्ताओं का आरोप है कि मुख्यमंत्री से मुलाकात की सूची को लेकर भ्रम की स्थिति रही, बताया गया कि 'संगठन तय करेगा ', पर अंतिम सूची में कई सक्रिय कार्यकर्ताओं के नाम शामिल नहीं हुए, कई बड़े पदाधिकारी भी असंतोष जाहिर करते नजर आए, सोशल मीडिया पर कुछ जनप्रतिनिधियों ने अप्रत्यक्ष रूप से अपनी नाराजगी व्यक्त की।

सोशल मीडिया पर उभरी नाराजगी

कुछ चुने हुए जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से अप्रत्यक्ष असंतोष जताया, इन पोस्टों में 'कार्यकर्ताओं की अनदेखी' और 'संगठन की उपेक्षा' जैसे संकेत मिले,हालांकि पार्टी के आधिकारिक स्तर पर कोई सार्वजनिक बयान सामने नहीं आया है।

प्रशासनिक दृष्टिकोण

प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि–कार्यक्रम पूरी तरह सफल और सुव्यवस्थित रहा, सुरक्षा और प्रोटोकॉल सर्वोपरि थे, सभी प्रक्रियाएं नियमों के अनुरूप की गईं,उनका तर्क है कि इसे संगठनात्मक असंतोष से जोड़ना उचित नहीं।

राजनीतिक संकेत क्या?

विश्लेषकों के अनुसार यदि सत्ताधारी दल के कार्यकर्ता ही दूरी महसूस करें, तो भविष्य में संगठनात्मक ऊर्जा प्रभावित हो सकती है,दूसरी ओर, यह भी तर्क है कि मुख्यमंत्री का दौरा मूलतः विकास और प्रशासनिक समीक्षा पर केंद्रित था, न कि राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन पर,मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कोरिया दौरा प्रशासनिक रूप से सफल माना जा सकता है,लेकिन राजनीतिक दृष्टि से कई सवाल छोड़ गया है, क्या यह केवल प्रोटोकॉल आधारित आयोजन था? क्या संगठन और प्रशासन के बीच संवाद की कमी है? या यह केवल धारणा की राजनीति है? सच्चाई जो भी हो, यह स्पष्ट है कि इस दौरे ने जिले की राजनीति में नई चर्चा को जन्म दे दिया है।

स्टंटबाजी मामले में न्यायालय ने कार मालिक को लगाया 37 हजार का जुर्माना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 17 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

नाबालिग छात्रों द्वारा कार से खतरनाक स्टंटबाजी करने के मामले में न्यायालय ने वाहन स्वामी के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने वाहन स्वामी पर 37 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया है। जानकारी के अनुसार रविवार को गांधीनगर थाना क्षेत्र के नावापारा में तीन नाबालिग छात्र तेज रफ्तार में कार चलाते हुए स्टंट करते पाए गए। पुलिस ने मौके पर कार्रवाई करते हुए वाहन सीजी 15 ईई 5665 को जब्त कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि वाहन स्वामी जितेन्द्र सोनी (32 वर्ष), निवासी एमजी रोड पटपरिया,थाना गांधीनगर ने नाबालिग को कार अनाधिकृत रूप से दी थी। नाबालिग ने अपने दो अन्य दोस्तों के साथ मिलकर स्टंटबाजी की। पुलिस ने वाहन स्वामी के खिलाफ

मोटर वाहन अधिनियम की धारा 4/181,184, 199ए एवं 5/180 के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने मामले को गंभीर मानते हुए वाहन स्वामी को 37 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया है।

अवैध खनन छिपाने के लिए हुई हत्या? एसडीएम की गिरफ्तारी के बाद खुलासा,कुसमी बंद...

-संवाददाता-
कुसमी,17 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में कानून के रखवालों पर ही कानून तोड़ने का संगीन आरोप लगा है। जिले के हंसपुर गांव में कुसमी एसडीएम करूण डहरिया और उनके साथियों पर तीन ग्रामीणों के साथ बेरहमी से मारपीट करने का आरोप लगा है। इस हिंसक झड़प में गंभीर रूप से घायल 60 वर्षीय ग्रामीण राम नरेश राम की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई,जबकि दो अन्य ग्रामीण–अजीत उरांव और आकाश अगरिया–गंभीर रूप से घायल हैं। इस घटना ने पूरे प्रदेश में प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगा दिए हैं।

सर्व आदिवासी समाज और कांग्रेस ने किया प्रदर्शन : ग्रामीण की मौत के विरोध में आज सर्व आदिवासी समाज और कांग्रेस कमेटी ने कुसमी नगर को पूरी तरह बंद करा दिया। प्रदर्शनकारियों के आक्रोश को देखते हुए दोपहर तक सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। बस स्टैंड के पास भारी संख्या में लोग धरने पर बैठे हैं। पीड़ित परिवार के लिए 1 करोड़ रुपये का मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की जा रही है। साथ ही घायलों को 5-5 लाख रुपये मुआवजा की मांग भी शामिल है। इससे पहले सोमवार को भी ग्रामीणों ने न्याय की मांग को लेकर करीब 4 घंटे तक चक्काजाम किया था, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित रहा।

एसडीएम समेत चार आरोपी गिरफ्तार,देर रात भेजे गए जेल : पुलिस की प्रारंभिक जांच,प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर मामले की गंभीरता को देखते हुए धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुसमी एसडीएम करूण डहरिया, पूर्व भाजयुमो अध्यक्ष विक्की सिंह उर्फ अजय प्रताप सिंह, मंजीत कुमार यादव और सुदीप यादव को गिरफ्तार कर लिया है।

सभी आरोपियों को देर रात ही कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। हालांकि, नायब तहसीलदार पारस शर्मा को इस मामले में क्लीन चिट दी गई है, क्योंकि वे विवाद की सूचना पाकर बाद में मौके पर पहुंचे थे और मारपीट में उनकी संलिप्तता नहीं पाई गई।

अवैध उत्खनन और 'जंगलराज' विपक्ष ने सरकार को घेरा

इस मामले ने अब राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। कांग्रेस ने इसे 'जंगलराज' करार देते हुए पूछा है कि क्या प्रदेश में खनन माफिया का साम्राज्य चल रहा है? भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जो अधिकारी अवैध उत्खनन रोकने के लिए जिम्मेदार हैं,वे ही तस्करों को संरक्षण देने के लिए आदिवासियों की हत्या कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि खेत की सिंचाई कर लौट रहे बेगुनाह ग्रामीणों को प्रशासनिक दबाव में पीटा गया।

जहाँ स्थानीय नेता नहीं पहुँचे,वहाँ सीएम की एंट्री

लोकतंत्र सेनानी के घर सीएम की दस्तक कोरिया प्रवास का बदला हुआ संदेश

-संवाददाता-
कोरिया,17 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

राजनीतिक दौरे अक्सर मंच, भाषण और औपचारिकताओं तक सीमित रह जाते हैं,लेकिन इस बार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कोरिया प्रवास के दौरान एक ऐसा दृश्य सामने आया जिसने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी,मुख्यमंत्री ने 92 वर्षीय लोकतंत्र सेनानी डॉ. निर्मल घोष के निवास पर पहुंचकर सौजन्य भेंट की–एक ऐसा स्थान, जहाँ स्थानीय नेताओं और प्रशासन की मौजूदगी वर्षों से चर्चा का विषय नहीं रही। बता दे की कोरिया की राजनीति में यह दृश्य कम से कम चौंकाने वाला तो था ही, वर्षों से लोकतंत्र सेनानी का घर स्थानीय नेताओं के कैलेंडर में शायद शामिल नहीं था,लेकिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सीधे उनके दरवाजे पर पहुँच गए, अब सवाल उठना स्वाभाविक है,क्या यह संवेदनशीलता थी या स्थानीय नेतृत्व की निष्क्रियता पर सीधा तमाचा? तस्वीरों में शाल,सम्मान और संवाद दिखा, पर तस्वीरों से परे संदेश और बड़ा था,जमीन पर जाइए, सिर्फ मंच पर मत रहिए, स्थानीय सियासत में यह चर्चा तेज है कि जिस घर तक वार्ड स्तर के नेता

नहीं पहुँचे, वहाँ मुख्यमंत्री का पहुँचना एक राजनीतिक संदेश है, संवेदनशीलता की राजनीति बनाम उपस्थिति की राजनीति, कोरिया प्रवास के दौरान यह मुलाकात केवल एक शिष्टाचार भेंट नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक राजनीतिक संदेश के रूप में देखी जा रही है, अब सवाल यह है, क्या यह कदम स्थानीय नेतृत्व को सक्रिय करेगा? या यह केवल एक भावनात्मक अध्याय बनकर रह जाएगा?

सत्ता से संवेदना तक का सफर?

मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में आपातकाल के दौर,लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष और पेंशन पुनः प्रारंभ करने की बात लिखी, उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पूर्ववर्ती शासनकाल में बंद की गई पेंशन योजना को उनकी सरकार ने पुनः शुरू कर सम्मान लौटाया।

विष्णुदेव साय के साथ फोटो में 'फ्रेम' की राजनीति?

झुमका क्रूज पर अजीब नजारा-जनप्रतिनिधि पीछे,अधिकारी आगे

-संवाददाता-
कोरिया,17 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कोरिया प्रवास के दौरान झुमका क्रूज पर हुई एक सामूहिक फोटोग्राफी अब चर्चा का विषय बन गई है,आरोप है कि फोटो सेशन के दौरान जनप्रतिनिधियों को पीछे कर अधिकारियों ने आगे स्थान ले लिया,स्थानीय राजनीतिक हलकों

में इसे 'फ्रेम की राजनीति' कहा जा रहा है–जहाँ तस्वीर में दिखने वाला क्रम ही संदेश बन जाता है।

जिला पंचायत अध्यक्ष पीछे,अधिकारी आगे?- चर्चा का केंद्र बिंदु यह रहा कि जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा की उपस्थिति के बावजूद एएसपी सुरेश चौबे आगे खड़े नजर आए,कुछ लोगों का कहना है कि यह केवल क्षणिक स्थिति थी।

तस्वीर का संदेश क्या?

राजनीति में तस्वीरें केवल स्मृति नहीं होतीं–वे प्रतीक भी बन जाती हैं, जब किसी कार्यक्रम में, मुख्यमंत्री केंद्र में, अधिकारी अग्रिम पंक्ति में, और जनप्रतिनिधि पीछे, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रतिनिधिक प्राथमिकता क्या रही?

प्रोटोकॉल बनाम परंपरा

प्रशासनिक कार्यक्रमों में सुरक्षा और प्रोटोकॉल की अपनी अनिवार्यता होती है, संभव है कि सुरक्षा कारणों से अधिकारी आगे रहे हों, लेकिन स्थानीय कार्यकर्ताओं का तर्क है, चुने हुए जनप्रतिनिधि जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं, उन्हें फ्रेम में सम्मानजनक स्थान मिलना चाहिए।

CMYK

अमृतधारा में बहा बजट,सूख गया जन उत्साह

अमृतधारा में सूखाः करोड़ों का महोत्सव,सामने खाली कुर्सियां

उत्सव किसके लिए? जनता गायब,प्रोटोकॉल हाज़िर,मंच सजा,माला चढ़ी...भीड़ नहीं चढ़ी...

अमृतधारा या प्रशासनिक औपचारिकता? फोटो खिंची, भाषण हुआ...फिर खाली कुर्सियां रह गईं

जनता के नाम महोत्सव,जनता ही नदारद,उत्साह का आयोजन या बजट का प्रयोग?

अमृतधारा में अमृत कम,व्यय अधिक...खाली कुर्सियों ने पूछा-उत्सव आखिर किसके लिए?

महोत्सव की सफलता पर आत्ममंथन जरूरी...खर्च और परिणाम के बीच संतुलन का सवाल...

-रवि सिंह-

एमसीबी/मनेंद्रगढ़,17 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

अमृतधारा महोत्सव-नाम सुनते ही लगता है कि उत्साह की धारा बहेगी,भीड़ उमड़ेगी,तालियां गूंजेंगी और क्षेत्र की पहचान नए आयाम छुएगी,पर इस बार तस्वीर कुछ और थी-मंच भव्य,लाइटें चमकदार,साउंड दमदार...और सामने सजी कतारों में खाली कुर्सियों की गंभीर उपस्थिति,कहते हैं, कुर्सियां भी बहुत कुछ कहती हैं,इस बार उन्होंने सवाल पूछा उत्सव किसके लिए था? करोड़ों का मंच,गिनती के दर्शक-सूत्रों के अनुसार आयोजन पर करीब एक करोड़ रुपये या उससे अधिक का व्यय हुआ,मंच निर्माण,साज-सज्जा,कलाकार,लाइट-साउंड, खानपान,स्वागत-सम्मान-सब कुछ प्रोटोकॉल के मुताबिक,लेकिन दर्शक दीर्घा में अपेक्षित भीड़ नहीं जुटी, स्थानीय लोगों का कहना है कार्यक्रम हमारे नाम पर होता है,पर हमें बुलाने की ठोस पहल नहीं होती, ग्राम पंचायतों से न पर्याप्त समन्वय,न परिवहन व्यवस्था, न जन-जागरूकता अभियान,परिणाम-खाली कुर्सियां और सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरें।

बड़ा सवाल आखिर...

करोड़ों रुपये खर्च कर भीड़ न जुटे तो क्या यह योजना सफल मानी जाएगी?

क्या पर्यटन और सांस्कृतिक पहचान केवल मंच और बैनर से बनती है?

क्या जनभागीदारी के बिना महोत्सव महज औपचारिकता नहीं बन जाता?

मुख्य अतिथिः प्रोटोकॉल पूरा, कार्यक्रम अधूरा

विशिष्ट अतिथियों का आगमन हुआ,माल्यार्पण हुआ,भाषण हुआ,फोटो खिंची...और फिर समय से पहले प्रस्थान, आलोचकों का व्यंग्य-जब जनता नहीं,तो अतिथि भी क्यों ठहरें? हालांकि प्रशास निक सूत्र कहते हैं कि मुख्य अतिथि का कार्यक्रम पूर्व निर्धारित था, पर जनता का प्रश्न वही-यदि आयोजन जनता के लिए है,तो जनता कहां थी?

कलाकार बनाम खालीपन

मंच पर कलाकारों ने पूरी ऊर्जा से प्रस्तुति दी,पर सामने सन्नाटा-तालियों की जगह हवा की आवाज,एक स्थानीय कलाकार ने अनौपचारिक चर्चा में कहा-हम तो कला के लिए आते हैं,पर दर्शक न हों तो मन भी बुझ जाता है, यह दृश्य न केवल आयोजन की सफलता पर प्रश्न है,बल्कि कलाकारों के मनोबल पर भी असर डालता है।

स्थापना दिवस बनाम अलग महोत्सव

कुछ बुद्धिजीवियों का सुझाव है-उत्सव मनाना है तो जिला या प्रदेश स्थापना दिवस पर मनाएं,अलग से महोत्सव कर करोड़ों खर्च करना और भीड़ न जुटना समझ से परे है,जब क्षेत्र में सड़क, शिक्षा,स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी जरूरतें हैं,तो प्राथमिकता पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है।

सिस्टम पर तंज

सबसे तीखा व्यंग्य सिस्टम पर है, क्योंकि पैसा सरकारी खजाने से जाता है,आयोजन की जिम्मेदारी प्रशासन पर होती है,अस्थायी रोजगार कुछ लोगों को मिल जाता है,और जवाबदेही...वह अक्सर फाइलों में सो जाती है,आलोचकों का कहना है-सिस्टम इतना संवेदनहीन हो गया है कि उसे खाली कुर्सियों से भी फर्क नहीं पड़ता।

जनप्रतिनिधियों की अनदेखी?

स्थानीय पंच, सरपंच और जनपद सदस्यों का आरोप है कि आयोजन की रूपरेखा में उनकी भागीदारी सीमित रही, जब स्थानीय नेतृत्व को मंच पर सम्मान नहीं मिलेगा,तो ग्रामीणों में उत्साह कैसे पैदा होगा?

सुधार की गुंजाइश

यदि प्रशासन चाहे तो पंचायत स्तर पर सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करे, स्थानीय युवाओं और समूहों को आयोजन में नेतृत्व दे,परिवहन और प्रचार की प्रभावी व्यवस्था करे, कार्यक्रम को जनसरोकार से जोड़े तो यह महोत्सव सचमुच अमृतधारा बन सकता है।

अमृत या आत्ममंथन?

अमृतधारा महोत्सव का उद्देश्य क्षेत्रीय गौरव और पर्यटन संवर्धन है, पर इस बार आयोजन ने उत्सव से ज्यादा सवाल पैदा किए हैं,खाली कुर्सियां केवल लकड़ी और प्लास्टिक नहीं थीं-वे व्यवस्था से जवाब मांगती प्रतीक थीं,अब देखना है-क्या अगली बार मंच से पहले जनता को प्राथमिकता मिलेगी, या फिर कुर्सियां ही कार्यक्रम की स्थायी दर्शक बनी रहेंगी?

'जय जगन्नाथ' के जयघोष से गूंजा चिरमिरी,मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की प्रदेश की खुशहाली की कामना

-संवाददाता-
एमसीबी,17 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

चिरमिरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर, चिरमिरी में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय मेले का वातावरण उस समय और अधिक भक्तिमय हो उठा,जब प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की,उनके आगमन के साथ ही मंदिर परिसर शंखनाद,घंटियों की मधुर ध्वनि, ढोल-नगाड़ों की गूंज और जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंज उठा, मंदिर प्रबंधन समिति और पुजारियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ अंगवस्त्र ओढ़ाकर और चंदन तिलक लगाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। अपार जनसमूह की उपस्थिति में श्रद्धालुओं ने अपनी अटूट आस्था का प्रदर्शन किया।

यज्ञशाला में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मुख्यमंत्री ने विधि-विधान से हवन-पूजन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि,शांति और निरंतर विकास की प्रार्थना की। इसके पश्चात वे संत बाबा श्री पुरुषोत्तम पुरी महाराज की कुटिया पहुंचे और आशीर्वाद प्राप्त किया, मुख्यमंत्री ने कहा कि संत समाज का मार्गदर्शन समाज को नैतिक शक्ति देता है और जनसेवा के पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करता है। मुख्य मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने शिव मंदिर में जल अर्पित कर प्रदेशवासियों के कल्याण की मंगलकामना की।

महाप्रसाद के साथ समरसता का संदेश

मंदिर परिसर के आनंद बाजार में मुख्यमंत्री ने आमजन के साथ सादगीपूर्वक बैठकर महाप्रसाद ग्रहण किया,इस दृश्य ने सामाजिक समानता और समरसता का संदेश दिया,मंदिर समिति की ओर से उन्हें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की प्रतिमाओं से अलंकृत स्मृति चिन्ह भेंट किया गया, मुख्यमंत्री ने इसे आस्था और उत्तरदायित्व का प्रतीक बताते हुए कहा कि इसे वे आने वाली पीढ़ियों के लिए धरोहर के रूप में संजोकर रखेंगे।

विकास और आस्था का समन्वय

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि महाशिवरात्रि हमारी सनातन परंपरा,आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, उन्होंने उल्लेख किया कि छत्तीसगढ़ की पावन भूमि 'देवभोग' से प्राचीन काल से भगवान जगन्नाथ के लिए चावल भेजे जाने की परंपरा रही है,जो प्रदेश के लिए गर्व का विषय है,उन्होंने कहा कि चिरमिरी का भव्य श्री जगन्नाथ मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं,बल्कि पूरे प्रदेश की आस्था का केंद्र है,मंदिर प्रबंधन समिति की मांगों-बाउंड्री वॉल निर्माण,श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार और महाशिवरात्रि मेले के बेहतर आयोजन-पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक निर्णय लेने का आश्वासन दिया, मुख्यमंत्री ने कहा कि एक ओर 127 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी गई है,वहीं दूसरी ओर भगवान के चरणों में नमन कर प्रदेश की समृद्धि की कामना की गई है, उन्होंने कहा, जनसेवा ही ईश्वर सेवा है,जब विकास और आस्था साथ-साथ चलते हैं, तभी समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और प्रदेश नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होता है, चिरमिरी में महाशिवरात्रि के इस अवसर पर मुख्यमंत्री की उपस्थिति ने मेले को विशेष गरिमा प्रदान की,भक्ति,समरसता और विकास के संदेश के साथ यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक एकता और प्रगति के संकल्प का प्रतीक बनकर उभरा।

भक्तिमय वातावरण में हवन-पूजन, प्रदेश की समृद्धि की कामना

नाम सुधार सूचना

मैं श्रीमती अनुभा जायसवाल पति श्री सुनील कुमार, निवासी केदारपुर हास्पीटल रोड अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. ।
यह कि मैं अपने पुत्र अंश गुप्ता, जिसका जन्मतिथि 10-02-2023 है,का जन्म प्रमाण-पत्र प्राप्त की है जिसमें माता का नाम त्रुटिवश अन्नू कुमारी दर्ज हो गया है जब कि उसके माता का सही नाम-अनुभा जायसवाल है, जो सही है तथा मेरे आधार कार्ड में अंकित है।
उक्त जन्म प्रमाणपत्र में माता अनुभा जायसवाल एवं पिता सुनील कुमार का आधार नंबर दर्ज नहीं है।
माता का सही नाम अनुभा जायसवाल का आधार नं. 4679 5641 0555 एवं पिता सुनील का आधार नं. 9537 6336 1117 दर्ज कराना चाहती हूँ अतः उक्त जन्म पत्र में माता का सही नाम एवं उक्त आधार नंबर दर्ज कराए जाने शपथपत्र प्रस्तुत किया है।

सपथकर्ता
श्रीमती अनुभा जायसवाल

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर -2 जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0 202602021700028 /अ-27/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश कुमार गुप्ता आ0 हरी प्रसाद गुप्ता व अन्य, निवासी ग्राम रजपुरीखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा द्वारा ग्राम रजपुरीखुर्द स्थित भूमि कुल खसरा न0 20 कुल कुल रकबा 6.766 हे0 भूमि का अनावेदक कमलेश कुमार गुप्ता आ. हरी प्रसाद गुप्ता व अन्य, निवासी ग्राम रजपुरीखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के मध्य खाता विभाजन कराने बावत् आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 के तहत् प्रस्तुत की गई है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/03/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 12/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका शकुन्तला चेरवा आ0 स्व0 गेंदा राम पत्नी बृजलाल जाति चेरवा, निवासी उनगनपारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा शीट नम्बर -03, मोहल्ला-स्कूल रोड, नगर अम्बिकापुर स्थित प्लाट नम्बर 1442/5, पुरकबा 0.25 एकड़ भूमि पर प्रस्तावित नक्शानुसार अनुसार भू-तल पर रकबा 48.53 वर्गमीटर, प्रथम तल पर 48.53 वर्गमीटर, द्वितीय तल पर 48.53 वर्गमीटर पर आवासीय भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है ।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-06/03/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक-17/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर -2 जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका फुलमेत आ0 स्व0 घूरन, व अन्य 04, निवासी ग्राम मेण्ड्राखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदिकागण के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम मेण्ड्राखुर्द स्थित भूमि मूल खसरा नंबर 4 तथा 801 के रकबा में त्रुटि हो गया है। वर्तमान में खसरा नंबर 4 का कुल 04 बटांकन हुआ है, जिसका योग रकबा 0.360 है, किन्तु सरगुजा सेटलमेंट में 1.39 एकड़ दर्ज है। इसी प्रकार खसरा नंबर 801 का कुल 02 बटांकन हुआ है, जिसमें खसरा नंबर 801 / 1 रकबा 0.145 हे0 एवं खसरा नंब 801/2 रकबा 0.138 हे0 दर्ज है, जबकि सरगुजा सेटलमेंट में उक्त भूमि कुल रकबा 0.33 एकड़ दर्ज है। आवेदिकागण द्वारा आवेदित भूमि के राजस्व रिकार्ड में हुए त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/03/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 12/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202602020700161

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2025-26

सुभाषनगर प.ह.न. 00017 [171/2(0.02000)
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार-राजेश कुमार सोनी.
अनावेदक पक्षकार -मु0लक्ष्मी,

ईश्तहार

आवेदक राजेश कुमार सोनी पिता राम सुन्दर प्रसाद सोनी निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नम्बर/ (171/2) रकबा 0.100 हे0 भूमि मेसे रकबा 0.020 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्ध दान पत्र के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09.03.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12/02/2026 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202602020700160

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2025-26

सुभाषनगर प.ह.न. 00017 [171/2(0.02000)
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार-दिनेश प्रसाद सोनी,
अनावेदक पक्षकार -मु0लक्ष्मी,

ईश्तहार

आवेदक दिनेश प्रसाद सोनी पिता राम सुन्दर प्रसाद सोनी निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 171/2 रकबा 0.100 हे0 भूमि मेसे रकबा 0.020 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्ध दान पत्र के आधार पर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09.03.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12/02/2026 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202602020700159

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2025-26

सुभाषनगर प.ह.न. 00017 [171/2(0.02000)
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार-मोहन सोनी,
अनावेदक पक्षकार -मु0लक्ष्मी,

ईश्तहार

आवेदक मोहन सोनी पिता राम सुन्दर प्रसाद सोनी निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 171/2 रकबा 0.100 हे0 भूमि मेसे रकबा 0.020 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्ध दान पत्र के आधार पर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09.03.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12/02/2026 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202602020700162

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2025-26

सुभाषनगर प.ह.न. 00017 [171/2(0.02000)
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार-सत्यम कुमार सोनी,
अनावेदक पक्षकार -मु0लक्ष्मी,

ईश्तहार

आवेदक सत्यम कुमार सोनी पिता राम सुन्दर प्रसाद सोनी निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 171/2 रकबा 0.100 हे0 भूमि मेसे रकबा 0.020 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्ध दान पत्र के आधार पर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09.03.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12/02/2026 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202602020700149

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2025-26

चितावहार (प ह न 00033),
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार मानिक दास, जयश्री बेवा ललू दास शिव दास धीरेंद्र पिता ललू दास करीश्मा, सोनकेल सोना हीरा नीरा,
अनावेदक पक्षकार -मानिक दास, जयश्री बेवा ललू दास शिव दास धीरेंद्र पिता ललू दास,करीश्मा, सोनकेल सोना हीरा नीरा,

ईश्तहार

आवेदक मानिक दास आ0 स्व0 भारत, निवासी ग्राम चिताबहार, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम चिताबहार स्थित खसरा नंबर 192/1, 346/2, 434/2, 435, 457/1, 466/3, 610/2, 662/1 रकबा क्रमशः 0.050, 0.267, 0.072, 0.086, 0.336, 0.154, 0.154, 0.008 हे0 कुल खसरा नंबर 08 कुल रकबा 1.127 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/6 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16.03.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/02/2026 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202602020700064

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2025-26

झुमरपारा प.ह.न. 00027 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार-सुनिमा राजवाडे,
अनावेदक पक्षकार -शिवनंदन,

ईश्तहार

आवेदिका सुनिमा राजवाडे आ0 मदन राजवाडे, निवासी ग्राम झूमरपारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदिका के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम झूमरपारा स्थित खसरा नंबर 303 रकबा 0.032 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में त्रुटिवश अनावेदकगण का नाम दर्ज हो गया है, जबकि उक्त भूमि पूर्व में आवेदिका एवं अन्य सहखातेदारों के नाम पर दर्ज थी। आवेदिका के द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जाँच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27.02.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/02/2026 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर ,जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा0प्र0क्र0202410020700204 /अ-27/2024-25

फर्द बटवारा का अंतिम प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा0प्र0क्र0 202410020700204 /अ-27/2024-25 पक्षकार करियारो प्रति रामसाय वगै. में ग्राम बरढोढी स्थित खसरा नंबर 68 / 4, 74/3, 77/3, 78/3, 89/1, 93/1, 93/5, 94/3, 97/3, 109/1, 110/3, 111/1, 121/3, 144/3, 145/3, 157/2, 157/3, 158/3, 167/3, 185/3, 322/3, 331/5, 337/2, 338/3, 364/4, 545/3, 547/2, 590/2, 591/3, 734/1 कुल खसरा नंबर 30 कुल रकबा 3.202 हे. भूमि का फर्द बंटवारा सूची हल्का पटवारी से प्राप्त हुआ है, जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त फर्द बंटवारा में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/03/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 16/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर (छ.ग.)

सरगुजा के सर्वांगीण विकास का रोडमैपः जनजातीय सशक्तिकरण, पर्यटन विस्तार और बुनियादी सुविधाओं पर सरकार का फोकस-मुख्यमंत्री साय

सरगुजा-बस्तर पर सरकार का फोकसः विकास,पर्यटन और पेयजल पर सख्ती...

543 नए कार्यों को मंजूरीः सरगुजा में सर्वांगीण विकास की रफ्तार तेज...

जनजातीय उत्थान से क्षेत्रीय समृद्धि तकः सरगुजा के लिए सरकार का स्पष्ट रोडमैप...

जल जीवन मिशन में लापरवाही पर कार्रवाई,हाथी-प्रभावितों को राहत प्राधिकरण बैठक में बड़े फैसले

सरगुजा विकास प्राधिकरण बैठकः 50 करोड़ बजट स्वीकृत, 543 कार्य मंजूर, पर्यटन व पेयजल पर फोकस

-संवाददाता-
कोरिया,17 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग के विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से आयोजित सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्पष्ट किया कि सरगुजा और बस्तर जैसे वनांचल क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। जनजातीय समाज का सशक्तिकरण केवल घोषणा नहीं,बल्कि ठोस कार्ययोजना के माध्यम से जमीन पर उतारा जा रहा है, बैठक बैकुंठपुर जिला पंचायत के मंथन सभाकक्ष में आयोजित हुई, जिसमें सरगुजा संभाग के विभिन्न जिलों-कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, जशपुर,बलरामपुर,सूरजपुर और सरगुजा-में चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की यह बैठक केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि वनांचल क्षेत्रों के लिए विकास का ठोस रोडमैप साबित हुई,पेयजल, पर्यटन,सड़क, बिजली, जनजातीय उत्थान और मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसे मुद्दों पर बहुआयामी रणनीति के साथ सरकार आगे बढ़ रही है,यदि स्वीकृत योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से होता है, तो सरगुजा क्षेत्र निश्चित रूप से विकास के नए शिखर को छू सकता है और जनजातीय समाज के जीवन स्तर में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल सकता है।

50 करोड़ का बजट, 543 नए विकास कार्यों को मंजूरी

बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्राधिकरण को 50 करोड़ रुपये के बजट प्रावधान की स्वीकृति प्रदान की गई,543 नए विकास कार्यों के लिए 4905.58 लाख रुपये की मंजूरी,वर्ष 2024-25 में स्वीकृत 606 कार्यों को औपचारिक अनुमोदन,लंबित कार्यों को मार्च तक पूर्ण करने के निर्देश,मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य समय-सीमा में और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और निगरानी सुनिश्चित की जाए,ताकि जनता को प्रत्यक्ष लाभ मिल सके।

पर्यटन विकासः मयाली से झुमका तक नई पहचान

बैठक में पर्यटन को क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बनाने पर विशेष बल दिया गया, जशपुर जिले के कुनकुरी स्थित मयाली नेचर कैंप के विकास हेतु 40 करोड़ रुपये की कार्ययोजना स्वीकृत,5 फरवरी 2026 को मुख्यमंत्री द्वारा भूमिपूजन,मयाली का विशाल शिवलिंग 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में दर्ज,जिससे राष्ट्रीय पहचान में वृद्धि,बैकुंठपुर के झुमका जलाशय में क्रूज पर्यटन की संभावनाओं पर चर्चा,मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राधिकरण की बैठकों को अलग-अलग जिलों में आयोजित करने से स्थानीय पर्यटन स्थलों की पहचान बढ़ती है और निवेश के नए अवसर खुलते हैं।

जल जीवन मिशनः लापरवाही पर सख्त कार्रवाई

जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा में गंभीर अनियमितताएँ सामने आने पर 12 समूह जल प्रदाय योजनाओं के अनुबंध निरस्त किए गए, एक मुख्य अभियंता और आठ कार्यपालन अभियंताओं को निलंबित, विभागीय जांच आरंभ,मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार्य नहीं है, गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए उन्होंने सभी जिलों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हाथी-प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत पैकेज

सरगुजा और आसपास के वन क्षेत्रों में जंगली हाथियों के हमलों से प्रभावित परिवारों के लिए राहत संबंधी निर्णय लिए गए, मकान क्षति मुआवजा राशि में वृद्धि,अन्य मुआवजा दरों की समीक्षा प्रक्रियाधीन, हाथी-प्रभावित गांवों में हाईमास्ट सोलर लाइट लगाने के निर्देश,मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष से प्रभावित परिवारों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

विद्युतीकरण और बिजली बिलों का समाधान

सोनहत विकासखंड में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत विद्युतीकरण तेज गति से जारी,जशपुर में बिजली बिल सुधार शिविर आयोजित, 568 त्रुटिपूर्ण बिलों का सुधार,मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाए और ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान पर जोर

धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी सभी सदस्यों को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए,इससे योजनाओं की निगरानी और पारदर्शिता मजबूत होगी।

जनप्रतिनिधियों के सुझावों पर गंभीरता

बैठक में जनप्रतिनिधियों ने कई मुद्दे उठाए वनांचल क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित होना,हाथी से फसल व संपत्ति क्षति पर मुआवजा बढ़ाने की मांग,जल जीवन मिशन के अपूर्ण कार्य, ग्रामीण सड़कों की गुणवत्ता, लुंड्रा,बतौली और प्रतापपुर में गन्ना मिल प्रारंभ करने की मांग,मजदूरों के लंबित भुगतान, मुख्यमंत्री ने सभी सुझावों का परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। उन्होंने गुणवत्ताहीन निर्माण कार्यों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक से बढ़ती है जिलों की पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली बैठक मयाली (जशपुर) में आयोजित हुई थी, जिसके बाद क्षेत्र की पहचान पर्यटन केंद्र के रूप में बढ़ी,अब बैकुंठपुर में बैठक होने से कोरिया जिले को भी नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल बजट आवंटन नहीं, बल्कि विकास के ठोस परिणाम देना है।

प्रमुख जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति

बैठक में कृषि एवं प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम, उपाध्यक्ष गोमती साय, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े,पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल,स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव,उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, सांसद चिंतामणी महराज सहित अनेक विधायक एवं अधिकारी उपस्थित रहे, कोरिया कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया।

माटी से संवादः कोरिया प्रवास में सीएम साय का आत्मीय रूप

चाक पर गढ़ा दीया और रोपा सफेद चंदन

-संवाददाता-
कोरिया,17 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा विकास प्राधिकरण की बैठक के लिए बैकुंठपुर पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का एक अलग और आत्मीय रूप उस समय देखने को मिला, जब वे कुम्हार के चाक पर स्वयं मिट्टी का दीया और कलश गढ़ने लगे, जिला पंचायत सभाकक्ष में बैठक के साथ परिसर में लगे स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी का निरीक्षण करते हुए मुख्यमंत्री सोनहत विकासखंड के ग्राम चकडड़ निवासी शिल्पकार देवी दयाल प्रजापति के स्टॉल पर पहुंचे।

इलेक्ट्रिक चाक पर सजीव प्रदर्शन देख उनकी उत्सुकता इतनी बढ़ी कि उन्होंने स्वयं चाक पर हाथ आजमाने की इच्छा जताई। घूमते चाक पर रखी गीली मिट्टी को उन्होंने सहजता से साधा और कुछ ही पलों में उसे सुंदर दीये का आकार दे दिया। उपस्थित जनसमूह ने तालियों के साथ इस क्षण का स्वागत किया। शिल्पकार प्रजापति ने भी मुख्यमंत्री की कुशलता पर आश्चर्य व्यक्त किया, मुख्यमंत्री ने इस दौरान कारीगर से उसके व्यवसाय,आय और परिवार के बारे में जानकारी ली और शासन की स्वरोजगार व कारीगर हितैषी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया, उनका यह व्यवहार स्पष्ट संदेश दे गया कि पारंपरिक शिल्प, ग्रामीण आजीविका और स्व-सहायता समूहों को सशक्त करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है, कार्यक्रम में कृषि एवं प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, प्राधिकरण की उपाध्यक्ष गोमती साय, सांसद चिंतामणि महराज, विधायक भैयालाल राजवाड़े, कलेक्टर चंदन त्रिपाठी और एसपी रवि कुमार कुर्रे सहित अनेक जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण का संदेशः सफेद चंदन का पौधारोपण

अपने कोरिया प्रवास को यादगार बनाते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कलेक्ट्रेट परिसर-जिला पंचायत कार्यालय के सामने सफेद चंदन का पौधा रोपा,पौधारोपण कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम,खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल,महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े तथा कलेक्टर चंदन त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे, मुख्यमंत्री ने संदेश दिया कि पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के लिए समाज के हर वर्ग को सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण संतुलन साथ-साथ चलें, यही राज्य की नीति है।

समग्र संदेश

कोरिया प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री का माटी से जुड़ाव, जनसंवाद की पहल और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता-तीनों पहलू एक साथ सामने आए,एक ओर जहां सरगुजा विकास प्राधिकरण की बैठक में क्षेत्रीय विकास का रोडमैप तय हुआ, वहीं चाक पर गढ़ा गया दीया और रोपा गया चंदन का पौधा यह संकेत दे गया कि विकास केवल योजनाओं का नहीं,बल्कि संवेदनाओं का भी विषय है।

सर्किट हाउस में प्रतिनिधि मंडलों से मुलाकात,समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई का भरोसा

कोरिया प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने बैकुंठपुर स्थित सर्किट हाउस में विभिन्न संगठनों और जनप्रतिनिधियों से सौजन्य मुलाकात की,जिला कोटवार संघ,टीचर्स एसोसिएशन,चैंबर ऑफ कॉमर्स,कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन, जिला पत्रकार संघ और जिला सरपंच संघ के प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी मांगों व समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपे,मुख्यमंत्री ने सभी पक्षों की बात गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि संबंधित विषयों पर आवश्यक और त्वरित कार्रवाई की जाएगी, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन,कर्मचारियों,व्यापारियों और ग्रामीण प्रतिनिधियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और प्रत्येक मांग पर संवेदनशीलता के साथ विचार होगा,इस अवसर पर कलेक्टर चंदन त्रिपाठी,एसपी रवि कुमार कुर्रे और जिला पंचायत सीईओ आशुतोष चतुर्वेदी सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

विष्णुदेव साय की चिरमिरी को बड़ी सौगात

127 करोड़ के 141 विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास

पर्यटन,रोजगार,स्वास्थ्य और अधोसंरचना पर सरकार का व्यापक फोकस

-संवाददाता-
एमसीबी/चिरमिरी,17 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

एमसीबी जिले के चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र के लिए यह दिन विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 127 करोड़ रुपये की लागत वाले कुल 141 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। कार्यक्रम को क्षेत्र की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने और चिरमिरी को नई पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम बताया गया,मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं,बल्कि उन्हें समयबद्ध तरीके से पूर्ण कर जनता तक लाभ पहुंचाना है, उन्होंने भरोसा दिलाया कि इन परियोजनाओं से शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जीवनस्तर में सुधार आएगा।

चिरमिरी को पर्यटन हब बनाने की दिशा

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से चिरमिरी को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की बात कही, उन्होंने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विरासत को आधार बनाकर क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा,इससे होटल,परिवहन,स्थानीय व्यापार और सेवा क्षेत्र में रोजगार बढ़ेगा तथा युवाओं का पलायन रुकेगा।

महापौर की मांगों पर घोषणाएं

महापौर रामनरेश राय ने अपने स्वागत उद्बोधन में चिरमिरी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और वर्तमान चुनौतियों का उल्लेख किया,उन्होंने कहा कि कभी यह क्षेत्र बहुराज्यीय आबादी का केंद्र था, लेकिन अब आर्थिक गतिविधियों में कमी आई है, महापौर की मांगों पर मुख्यमंत्री ने नगर निगम को अग्निशमन वाहन उपलब्ध कराने,बकरी संवर्धन केंद्र स्थापित करने,पुलिस चौकी एवं तहसील भवन निर्माण,पर्यटन विकास को गति देने,जैसी घोषणाएं कीं।

धार्मिक-सांस्कृतिक समरसता का संदेश

मुख्यमंत्री ने चिरमिरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की, मंदिर परिसर स्थित आनंद बाजार में आम नागरिकों के साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया, जिसे सामाजिक समानता का प्रतीक माना गया, उन्होंने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज में समरसता और एकता को सुदृढ़ करते हैं, राजिम मेले का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि राज्य सरकार सांस्कृतिक आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहन दे रही है।

आवास, किसान और सामाजिक योजनाओं पर फोकस

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 10 लाख से अधिक हितग्राही प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गृह प्रवेश कर चुके हैं, 25 लाख 24 हजार किसानों से धान खरीदी की गई, महतारी वंदन योजना की 22 किस्तें जारी हो चुकी हैं, तेंदूपत्ता संग्रहण से 12 लाख परिवार लाभान्वित हुए हैं, उन्होंने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति स्थापना और विकास की प्रतिबद्धता दोहराई।

स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि चिरमिरी में जिला अस्पताल के सुदृढ़ीकरण तथा मनेंद्रगढ़ में 220 बिस्तरीय सिविल अस्पताल के संचालन की दिशा में कार्य प्रगति पर है, उन्होंने कहा कि 181 करोड़ रुपये की पेयजल परियोजना से आगामी 50 वर्षों के लिए स्थायी समाधान सुनिश्चित करने का लक्ष्य है, मेडिकल, नर्सिंग और फिजियोथेरेपी संस्थान स्थापित करने की प्रक्रिया भी जारी है।

कृषि एवं ग्रामीण विकास की दिशा

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि 127 करोड़ रुपये की परियोजनाएं क्षेत्र के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होंगी,सरकार का उद्देश्य गांव से शहर तक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति

कार्यक्रम में महापौर रामनरेश राय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यशवंती सिंह,भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती चंपा देवी पावले सहित अनेक जनप्रतिनिधि मंचासीन रहे। बड़ी संख्या में अधिकारी,कर्मचारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

विकास और आस्था का संगम

चिरमिरी में यह आयोजन केवल प्रशासनिक घोषणा तक सीमित नहीं रहा,बल्कि विकास और आस्था के संतुलन का प्रतीक भी बना, एक ओर 127 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक सौगात, दूसरी ओर मंदिर में पूजा-अर्चना-इसने शासन की विकासोन्मुख और सांस्कृतिक प्रतिबद्धता को दर्शायायदि घोषित परियोजनाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण होती हैं,तो चिरमिरी की तस्वीर बदलने की उम्मीद जताई जा रही है,इस प्रकार यह दिन चिरमिरी के लिए विकास, रोजगार,सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक समरसता के दृष्टिकोण से विशेष महत्व का बन गया।

141 कार्यों का विवरणः विकास की बहुआयामी रूपरेखा कार्यक्रम के अंतर्गत

82 पूर्ण कार्यों का लोकार्पण किया गया,जिनकी अनुमानित लागत लगभग 40 लाख रुपये है। 59 नवीन कार्यों का शिलान्यास 8824.78 लाख रुपये की स्वीकृत राशि से किया गया।

इन परियोजनाओं में शामिल हैं...

- सड़क एवं पुल निर्माण
- पेयजल व्यवस्था का विस्तार
- विद्युत अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण
- स्वास्थ्य संस्थानों का उन्नयन
- नगरीय सुविधाओं का विकास

सामुदायिक भवन और सार्वजनिक उपयोग की संरचनाएं मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

17 सदस्यों के परिवार के मुखिया हैं सलीम खान

सिनेमा के खानदान में कौन-कौन शामिल?

फिल्म लेखक सलीम खान का नाम इस वक्त खराब सेहत को लेकर चर्चा में बना हुआ है। इस बीच हम आपको शोले फिल्म राइटर की फैमिली के बारे में आपको बताने जा रहे हैं कि वह 17 सदस्यों के परिवार के मुखिया हैं।

अचानक से तबीयत बिगड़ने की वजह से फिल्म लेखक सलीम खान को मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सलमान खान और उनके परिवार के सभी सदस्य बारी-बारी से सलीम साहब की हालत का जायजा लेने के लिए हॉस्पिटल पहुंचते हुए नजर आए।

इस दौरान हम आपको सलीम खान के फैमिली ट्री के बारे में बताने जा रहे हैं कि जिनमें 17 सदस्यों के नाम शामिल हैं। आइए जानते हैं कि सिनेमा इस मशहूर खानदान में कौन-कौन शामिल है। मध्य प्रदेश के इंदौर से नाता रखने वाले सलीम खान बतौर एक्टर फिल्मी दुनिया में नाम कमाने के लिए मुंबई आए। एक्टिंग में कुछ खास कामयाबी हासिल न मिलने के बाद उन्होंने जावेद अख्तर संग मिलकर स्क्रिप्टि राइटिंग का काम शुरू किया और शोले, डॉन और दीवार जैसी कई कल्ट क्लासिक मूवीज की कहानियों को लिखकर उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी धाक जमाई। गौर किया जाए सलीम खान के परिवार की तरफ तो इसमें उनकी दो पत्नियां सलमा खान (सुशील चरक) और हेलेन के नाम शामिल हैं। हेलेन संग सलीम ने दूसरी शादी रचाई। इसके बाद बारी आती है सलीम साहब और सलमा जी के बच्चों की जिनमें सुपरस्टार सलमान खान, अलविरा, अरबाज खान, सोहेल खान और छोटी बेटी अर्पिता का नाम शामिल होता है। ध्यान देने वाली बात ये है कि अर्पिता को सलीम खान ने गोद लिया था।

इसके बाद अरजाब खान की दूसरी पत्नी शूरा खान और फिर परिवार के बच्चों के नाम शामिल होते हैं। जिनमें पोता-पोती अरहान, निर्वाण, योहान और सिपारा हैं। इसके अलावा नाती-नातिन में अयान अग्निहोत्री, अलिजेह अग्निहोत्री, आहिल और अयात शर्मा के नाम मौजूद हैं।

अभिनेता अतुल अग्निहोत्री और आयुष शर्मा भी घर के दामाद के तौर इस परिवार का अहम हिस्सा हैं। जबकि एक्स बहुओं में मलाइका अरोड़ और सीमा सजदेह का नाम भी शामिल होता है। इस प्रकार सलीम खान के मौजूदा 17 सदस्यों का बड़ा परिवार पूरा होता है।

स्थिर है सलीम खान की हालत

मुंबई के लीलावती हॉस्पिटल के डॉक्टर की तरफ से हाल ही में सलीम खान की सेहत पर ताजा अपडेट आया है, जिसमें इस बात की जानकारी दी गई है कि फिलहाल सलमान खान के पिता की हालत स्थिर है।

ओटीटी पर गर्दा उड़ा रही है 70 साल के एक्टर की फिल्म

ट्रेंडिंग में नंबर-1 की कुर्सी पर किया कब्जा

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फिलहाल 70 साल के एक दिग्गज अभिनेता की फिल्म जमकर धमाल मचा रही है। ट्रेंडिंग के मामले में ये मूवी नंबर-1 पर ट्रेंड कर रही है। ओटीटी पर बीते सप्ताह एक लेटेस्ट फिल्म को रिलीज किया गया था। बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित होने वाली ये मूवी ओटीटी पर नंबर-1 की कुर्सी पर कब्जा किए हुए बैठी है। 2 घंटे 42 मिनट की कहानी वाली ये फिल्म साउथ सिनेमा से नाता रखती है, जिसमें 70 वर्षीय एक सुपरस्टार ने लीड रोल प्ले किया है। आलम ये है कि बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने के बाद अब ये फिल्म ओटीटी पर भी गर्दा उड़ा रही है और फैंस को काफी पसंद आ रही है। आइए जानते हैं कि यहां कौन सी फिल्म के बारे में चर्चा की जा रही है।

ओटीटी पर छाई ये फिल्म

जिस मूवी के बारे में इस लेख में बात की जा रही है, उसे बीते महीने 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। हैरान करने वाली बात ये

थी कि इस मूवी ने वर्किंग डे में थिएटर्स में एंट्री मारी। कमर्शियल तौर पर धुआंधार प्रदर्शन करने वाली ये मूवी 11 फरवरी को ओटीटी पर रिलीज की गई है। इस मूवी की कहानी एक एनएसजी अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका तलाक हो गया है और वह अपनी पत्नी-बच्चों से अलग रहता है। उसका रिश्ता तुड़वाने में उसके ससुर का साजिश रहती है, जिसका पर्दाफाश होते ही तस्वीर साफ हो जाती है। 6 साल बाद अपनी फैमिली से जुड़ने वाले उस ऑफिसर की जिंदगी में टर्निंग प्वाइंट उस वक्त आता है,जब एक खतरनाक विलेन की एंट्री फिल्म में होती है। ऐसे में क्या वह अधिकारी उस विलेन का सामना कर पाता है या फिर इसमें और भी कोई ट्विस्ट एंड टर्न्स हैं। उसके बारे में जानने के लिए आपको साउथ सुपरस्टार चिरंजीवी की लेटेस्ट फिल्म मना शंकर वर प्रसाद गारू को ओटीटी पर देखना होगा। इस मूवी को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया है। तेलुगु एक्शन कॉमेडी ड्रामा ये मूवी आपको हिंदी में भी देखने को मिल जाएगी।

जी5 पर नंबर-1 पर बनी हुई मना शंकर वर प्रसाद गारू

पिछले एक सप्ताह से चिरंजीवी की मना शंकर वर प्रसाद गारू ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर नंबर-1 पर ट्रेंड कर रही है। जो ये बताने के लिए काफी है कि इसकी कहानी काफी दिलचस्प और रोमांचक है। चिरंजीवी के अलावा इस मूवी में अभिनेत्री नयनतारा ने अहम भूमिका को अदा किया है, जबकि वेटरन साउथ एक्टर वेंकटेश दग्गुबाती कैमियो रोल में नजर आए हैं।

मैं हूं ना के लिए सुष्मिता सेन नहीं थीं पहली पसंद,किसे पहले मिला था चांदनी का ऑफर? फराह खान ने किया खुलासा

फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान ने बताया है कि मैं हूं ना में सुष्मिता सेन ने जो रोल किया था,उसके लिए असल में समीरा रेड्डी उनकी पहली पसंद थीं। फराह ने बताया कि उन्होंने एक्ट्रेस समीरा को सबसे पहले म्यूजिक वीडियो आहिस्ता कीजिए बातें में देखा था और वह तुरंत उनकी स्क्रीन प्रेजेंस से इम्प्रेस हो गईं। उन्होंने याद किया कि उन्हें लगा था कि पारंपरिक भारतीय कपड़ों में समीरा रेड्डी का लुक चांदनी चोपड़ा के कैरेक्टर से बिल्कुल मेल खा रहा था,जो एक खूबसूरत कॉलेज प्रोफेसर है और फिल्म में रोमांटिक इंटरेस्ट बन जाती है।

समीरा रेड्डी को मैं हूं ना में क्यों नहीं किया गया था कास्ट?

उस समय फराह को लगा कि समीरा रेड्डी की पर्सनैलिटी उस एलिगेंस और सॉफ्टनेस से मेल खाती है जो वह रोल में दिखाना चाहती थीं। हालांकि,कास्टिंग के हालात बदल गए। जब मैं हूं ना प्रोडक्शन के करीब पहुंची तब तक समीरा रेड्डी ने दूसरी फिल्म के लिए कमिटमेंट कर दिया था,जिससे शेड्यूलिंग पर असर पड़ा। फराह ने बताया कि ओवरलैपिंग टाइमलाइन का मतलब था कि कास्टिंग पहले से प्लान के मुताबिक आगे नहीं बढ़ सकी। नतीजतन

टीम ने रोल के लिए सुष्मिता सेन को फाइनल करने से पहले दूसरे ऑप्शन देखने शुरू कर दिए।

मैं हूं ना का सबसे चर्चित किरदार

सुष्मिता सेन का चांदनी का रोल फिल्म के सबसे चर्चित किरदार में से एक बन गया। साड़ी पहने उनका लुक, शानदार परफॉर्मेंस और शाहरुख खान के साथ ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया। कैरेक्टर की स्टाइलिंग और प्रेजेंस कल्चरली यादगार बन गई, खासकर उन ऑडियंस के लिए जो फिल्म को 2000 के दशक की शुरुआत में देख चुके हैं। इसकी कहानी,कास्ट से लेकर गाने तक आज भी लोग भूल नहीं पाए हैं। 2004 में रिलीज हुई मैं हूं ना फराह खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू थी और कमर्शियल सक्सेस भी रही। इस फिल्म में शाहरुख खान लीड रोल में थे और यह उस साल की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक थी।

फिल्मों के लिए कास्टिंग कैसे तय होती है?

फराह के हालिया खुलासे से पता चलता है कि फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग के फैसले अक्सर टाइमिंग,अवेलेबिलिटी और शेड्यूलिंग को देखकर तय होते हैं। ऐसे में जब प्रोडक्शन टाइमलाइन बदलती है और एक्टर दूसरे प्रोजेक्ट्स के लिए कमिट करते हैं तो फिल्ममेकर की पहली पसंद भी बदल जाती है।

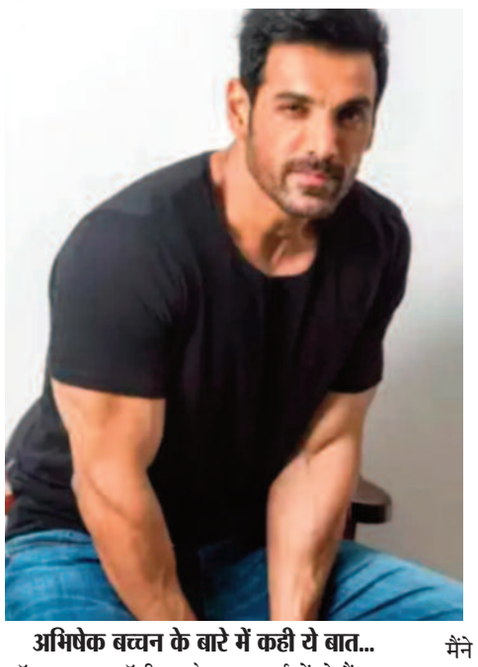

अभिषेक बच्चन के बारे में कही ये बात...

जॉन अब्राहम बॉलीवुड के उन स्टार्स में से हैं, जिन्होंने आउटसाइडर होते हुए भी इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम हासिल किया है। एक ऐसी इंडस्ट्री में जहां सभी कलाकारों के बीच कॉम्पटीशन होता है, एक-दूसरे से आगे निकलने का। लेकिन, जॉन अब्राहम का कहना है कि उन्होंने खुद को कभी भी किसी दौड़ का हिस्सा नहीं माना। उन्होंने कॉम्पटीशन की जगह कॉम्प्लिमेंट पर ध्यान दिया और इसी आइडिया के साथ आगे बढ़े। जॉन बताते

आसान नहीं था रास्ता,जॉन अब्राहम का आउटसाइडर होने पर छलका दर्द

हैं कि एक एक्टर के तौर पर वह अपने मेल को-एक्टर्स के साथ कॉम्पटीशन की जगह उनका साथ देने में विश्वास रखते हैं।

मैंने बहुत आलोचनाओं का सामना किया : जॉन अब्राहम

ज़न अब्राहम ने स्क्रीन मास्टरक्लास में अपने फिल्मी करियर के बारे में बात की और 2003 में इंडस्ट्री में कदम रखने और उस दौर में अलग-थलग महसूस करने के फेज के बारे में भी बताया। जॉन कहते हैं-इस इंडस्ट्री में शायद मुझे सबसे ज्यादा आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। जब मैंने इंडस्ट्री में शुरुआत की,तब यहां कोई आउटसाइडर नहीं थी। सिर्फ शाहरुख खान और अक्षय कुमार आए थे मुझसे पहले। अपने करियर के दौरान मैंने जितनी आलोचनाओं का सामना किया है, उतना शायद ही मेरे समय के किसी एक्टर ने किया होगा। मेरे लिए ये बहुत सिंपल था। मैं एक ऐसे घोड़े के जैसा था, जिसकी आंखों पर पट्टी बंधी है। मैं आगे की उम्मीद नहीं कर सकता था। मेरे पास कभी कोई पब्लिसिस्ट नहीं रहा और न ही मैं मीडिया में खबरें फैलाने बाहर जाता था। मैं इससे असुरक्षित हो सकता हूं, लेकिन मुझे लगता है कि लोग मेरी ईमानदारी के बारे में जानते हैं और ये भी जानते हैं कि मैं कहां से आया हूं।

अभिषेक बच्चन को किया किस : जॉन

जॉन इंडस्ट्री में काम करने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में बात करते हुए कहते हैं- सबसे अच्छा तरीका है कि मैं किसी से कॉम्पटीशन के लिए नहीं बल्कि कॉम्प्लीमेंट्स के लिए काम कर रहा हूं। मैं अपने मेल को-एक्टर्स के साथ बहुत अच्छे से घुल-मिल जाता हूं। मैंने शाहरुख खान, वरुण धवन,अक्षय कुमार,अभिषेक बच्चन जैसे स्टार्स के साथ काम किया है और वे मुझे ऐसे शख्स के तौर पर देखते हैं जो उनके काम की सराहना करता है और मैंने भी हमेशा उसी नजरिए से काम किया है। मैंने तो अभिषेक को किस भी किया था। मैं अपने मेल को-स्टार्स के साथ बहुत कम्फर्टेबल महसूस करता हूँ, और यह खूबसूरती फिल्म में भी झलकती है।

ट्रोलिंग पर कही ये बात

ट्रोलिंग पर बात करते हुए जॉन अब्राहम ने माना कि उन्होंने अपने करियर में भारी आलोचनाओं का सामना किया है मगर उन्होंने कभी इससे परहेज नहीं किया। उन्होंने खुद को एक ऐसा शख्स बताया जो अपने आस-पास के शोर पर ध्यान देने की वजह अपने काम पर ध्यान देता है। जॉन अब्राहम बॉलीवुड के उन कलाकारों में से हैं, जो अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी प्राइवेट रहे हैं।

कौन हैं पीली साड़ी वाली विदेशी सिंगर एसजेडए? शिव शंभू के नारे से हिलाया मंच, बोलीं- जिंदगी बदली,इनके चलते जिंदा हूं...

ग्रैमी जीत चुकीं फेमस सिंगर एसजेडए हाल ही में भारत में परफॉर्म करती नजर आईं। उन्होंने ईशा फाउंडेशन में अपने एक नारे से लोगों का ध्यान खींच लिया। अब महाशिवरात्रि उत्सव से उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है।

हर साल की तरह इस बार भी ईशा फाउंडेशन के ईशा योग सेंटर में महाशिवरात्रि उत्सव आयोजित किया गया था। इस खास मौके पर फिल्मी सितारे भी यहां मौजूद रहे। बॉलीवुड ही नहीं इस बार हॉलीवुड का भी तड़का देखने को मिला। ग्रैमी जीत चुकीं फेमस सिंगर ई भी इस उत्सव में शामिल हुईं। तमिलनाडु के कोयंबटूर में आयोजित कार्यक्रम में एसजेडएकी एंट्री ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षिक किया। इस वैश्विक पॉप कलाकार का इस आध्यात्मिक आयोजन में शामिल होना कई लोगों के लिए अप्रत्याशित था, लेकिन उनकी सादगी और श्रद्धा ने उपस्थित भक्तों का दिल जीत लिया।

विदेशी सिंगर ने जीते दिल

एसजेडए अपनी मां के साथ इस विशेष अवसर पर पहुंचीं। महाशिवरात्रि भगवान शिव को समर्पित एक पवित्र रात्रि मानी जाती है। इस दौरान ई ने पूरे मन से अनुष्ठानों, मंत्रोच्चार और सामूहिक नृत्य में भाग लिया। पारंपरिक पीली साड़ी धारण किए हुए वह भारतीय सांस्कृतिक वातावरण में पूरी तरह रची-बसी दिखाई दीं। मंच से उन्होंने उपस्थित जनसमूह का गर्मजोशी से नमस्कारम कहकर अभिवादन किया, जिससे वहां मौजूद लोगों में उत्साह की लहर दौड़ गई। यूएस की रहने वाली ब्लैक सिंगर ने अपनी बुलंद आवाज में कुछ ऐसी बातें भी कहीं जिसने लोगों का दिल जीत लिया है।

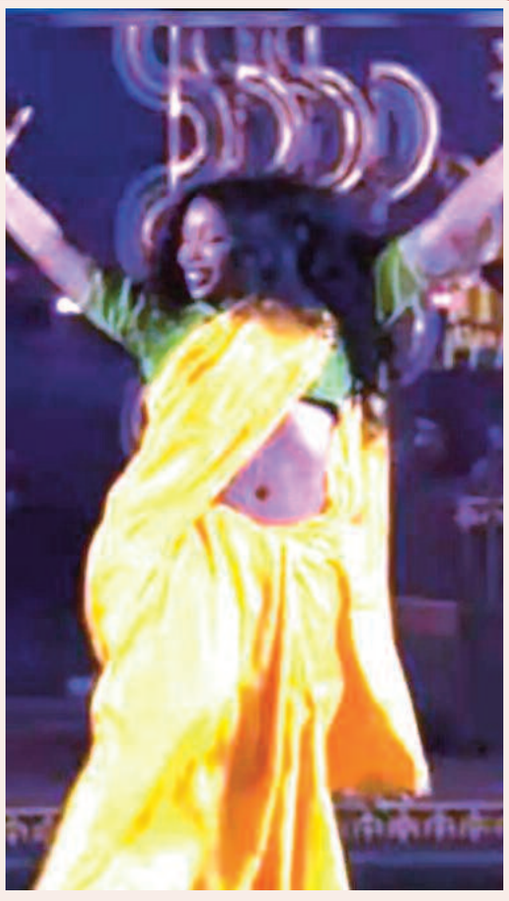

खेल समाचार

ऑस्ट्रेलिया टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर

जिम्बाब्वे सुपर-8 में
जिम्बाब्वे-आयरलैंड मैच
बारिश से रद्द
कंगारू दूसरी बार
ग्रूप स्टेज से बाहर

कैंडी,17 फरवरी 2026। 2021 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लीग राउंड से ही बाहर हो गई है। मंगलवार को जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। कैंडी के पल्लेकेले स्टेडियम में मैच का टॉस भी नहीं हो सका। इसी के साथ जिम्बाब्वे सुपर-8 में पहुंच गई है। एक दिन पहले कंगारू श्रीलंका के खिलाफ 8 विकेट से हार गए थे। उन्हें 13 फरवरी को जिम्बाब्वे ने 23 रन से हराया था। अब ऑस्ट्रेलिया को 20 फरवरी को ओमान से खेलना है। इसे जीतकर

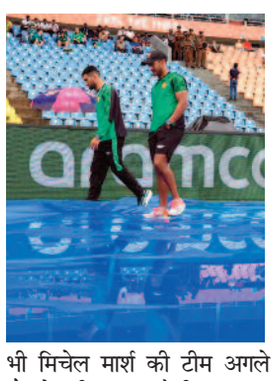

भी मिचेल मार्श की टीम अगले दौर में नहीं पहुंच सकेगी।

ऑस्ट्रेलियन टीम इस टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरी बार ग्रूप स्टेज से बाहर हुई है। इससे पहले 2009 में टीम रिकी पोंटिंग की कप्तानी में लीग राउंड से बाहर हो गई थी।

इस वर्ल्ड कप में पहला मैच रद्द हुआ

मौजूदा वर्ल्ड कप में पहला मैच रद्द हुआ है। वहीं,टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक 8 मैच रद्द हुए हैं। 2016 के एडीशन में 2 मैच रद्द हुए थे। 2007, 2010, 2012, 2022 और 2024 में भी एक-एक मैच रद्द हुए।

ऑस्ट्रेलिया बाहर कैसे हुआ?

ग्रूप बी में श्रीलंका 6 पॉइंट्स और जिम्बाब्वे 5 पॉइंट्स के साथ सुपर-8 में पहुंच गई। ऑस्ट्रेलिया अब आखिरी मैच जीतकर भी 4 पॉइंट्स तक ही पहुंच सकेगा। एक ग्रूप से 2 ही टीमें अगले राउंड में जा सकती है, इसलिए ऑस्ट्रेलिया बाहर हो गया।

ऑन-फील्ड अंपायर्स ग्राउंड स्टाफ से बात कर रहे

दोनों ऑन-फील्ड अंपायर ग्राउंड स्टाफ के एक सदस्य के साथ चर्चा में जुटे हुए हैं। चौथे अंपायर उनके पास छाता पकड़े खड़े हैं। अंपायर मैदान के कुछ हिस्सों की ओर इशारा कर रहे हैं, जहां उन्हें अतिरिक्त काम की जरूरत महसूस हो रही है। ऐसा लग रहा है कि बारिश रुकने और मैदान सुखाने की प्रक्रिया शुरू होने के लिए समय तेजी से निकलता जा रहा है।

मैच रद्द होने पर भी जिम्बाब्वे सुपर-8 में पहुंचेगा

बारिश के कारण यदि मैच रद्द हो जाता है, तब भी जिम्बाब्वे सुपर-8 के लिए क्वालिफाई कर जाएगा। जिम्बाब्वे ने अपने खेले गए दो मुकाबले जीतकर ग्रुप की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर जगह बनाई है और उसके 4 अंक हैं। अगर यह मैच रद्द होता है, तो दोनों टीमों को 1-1 अंक मिलेंगे। ऐसे में जिम्बाब्वे के कुल 5 अंक हो जाएंगे। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के तीन मैचों के बाद सिर्फ 2 अंक ही हैं, जिससे वह जिम्बाब्वे को पीछे नहीं छोड़ पाएगा।वहीं, श्रीलंका अपने तीनों मुकाबले जीतकर 6 अंकों के साथ ग्रूप में शीर्ष स्थान पर रहते हुए पहले ही सुपर-8 के लिए क्वालिफाई कर चुका है।

जिम्बाब्वे अगले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई

सुपर-8 में पहुंचने के साथ ही जिम्बाब्वे ने 2028 टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। उसे अब क्वालिफायर नहीं खेलना होगा। नियमों के मुताबिक टॉप-8 टीमें और मेजबान देश (जिस देश में वर्ल्ड कप हो रहा है) वर्ल्ड कप में सीधे खेलते हैं। जबकि,बाकी टीमों को टूर्नामेंट में एंट्री के लिए क्वालिफायर खेलना होता है।

स्टार ओपनर प्रतिका रावल की वापसी...

नई दिल्ली,17 फरवरी 2026। वर्ल्ड कप विनर के तौर पर अपना विदेशी दौरा जारी रखने वाली इंडियन विमेंस टीम के लिए अच्छी खबर है। ओडीआई वर्ल्ड कप में अचानक चोटिल होने और तीन महीने से ज़्यादा समय तक बाहर रहने वाली ओपनर प्रतीक रावल वापसी करेंगी। सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस ने प्रतीक को हरी झंडी दे दी है, जिन्होंने हाल ही में फिटनेस हासिल की है। इसके साथ ही, सिलेक्टर्स ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओडीआई सीरीज़ के लिए चुना है। वह टी20 सीरीज़ खत्म होने से पहले टीम इंडिया स्क्वॉड में शामिल हो जाएंगी। प्रतिका रावल, जिन्होंने लगातार खेलकर एक साल के अंदर खुद को ओपनर के तौर पर स्थापित किया, वापसी करने के लिए तैयार हैं। ओडीआई वर्ल्ड कप के लीग स्टेज के आखिरी मैच में चोटिल होने और टूर्नामेंट से हटने वाली प्रतीक हाल ही में ठीक हुई हैं। जैसे ही उनके पैर की चोट कम हुई,उन्होंने सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन में फिटनेस हासिल कर ली है। इसके साथ ही, सिलेक्टर्स ने तीन महीने से ज़्यादा समय तक टीम से दूर रहने के बाद प्रतीक को ओडीआई

स्क्वॉड में शामिल किया है। इसके साथ ही,यह डैशिंग ओपनर कंगारू मैदान पर अपने ही अंदाज में चमकने के लिए तैयार हो रही है। प्रतीक,जो टेस्ट टीम में भी हैं,6 मार्च से शुरू होने वाले पर्थ टेस्ट में खेलेंगे। भारत की अपडेटेड ओडीआई टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, प्रतीक रावल, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), काश्वी गौतम, अमनजोत कौर, रेणुका सिंह, श्री चरणी, वैष्णवी वर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा।

एंड्रीवा और बेनकिक को वॉकओवर,पेगुला अंतिम 16 में

दुबई,17 फरवरी 2026। मीरा एंड्रीवा और बेलिंडा बेनकिक दोनों को मंगलवार को दुबई में डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट में दूसरे राउंड में वॉकओवर मिला, जबकि जेसिका पेगुला भी आखिरी 16 में पहुंच गईं। रूसी टीनेजर एंड्रीवा, जिन्हें पहले राउंड में बाई मिली थी,क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के लिए जर्मनी की एला सेडेल या रोमानिया की जैकलीन क्रिस्टियन से भिड़ेंगी, क्योंकि डारिया कसाटकिना हिप इंजरी

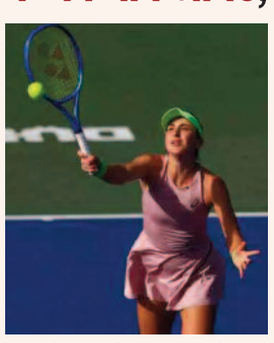

के कारण बाहर हो गई हैं। इन-फ़ॉर्म चेक यंगस्टर सारा बेलजेक, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में अबू धाबी में टाइटल जीता था, भी पेट में इंजरी के कारण हट गईं, जिससे बेनकिक को तीसरे राउंड में जगह मिल गई। अमेरिका की चौथी सीड पेगुला ने वरवारा ग्रेचेव को 6-4, 6-0 से हराकर आसानी से जीत हासिल की और अब उनका अगला मैच हमवतन इवा जोविक से होगा।

पहले राउंड में त्वेसा और रिद्धिमा ने संयुक्त बढ़त हासिल की

पुणे,17 फ रवरी 2026। त्वेसा मलिक और रिद्धिमा दिलावरी ने विमेंस प्रो गोल्फ टूर 2026 के लेग-4 के पहले राउंड में शानदार शुरुआत करते हुए संयुक्त बढ़त हासिल की। पूना क्लब गोल्फ कोर्स में खेले गए पहले दिन के बाद दोनों ने 3-अंडर 68 का कार्ड किया। मार्की ग्रुप की तीसरी खिलाड़ी वाणी कपूर ने 69 का स्कोर बनाकर एक शॉट पीछे रहते हुए अकेले तीसरा स्थान लिया,जबकि एमेच्योर अनुराधा चौधरी (70) अंडर-पार राउंड खेलने वाली एकमात्र अन्य खिलाड़ी रहीं। वह चौथे स्थान पर रहीं। पिछले हफ्ते पुणे में प्ले-ऑफ जीतने वाली त्वेसा ने फ्रंट-नाइन पर एक बर्डी और एक बोगी के बाद फिनिशिंग स्ट्रेच में दम दिखाया, आखिरी चार होल में तीन बर्डी बनाकर 68 पर राउंड पूरा किया। रिद्धिमा ने फ्रंट-नाइन पर पांच बर्डी के साथ तेज शुरुआत की और 10वें होल पर छठी बर्डी से 6-अंडर तक पहुंचीं। हालांकि, 11वें होल पर एक शॉट गंवाया, 14वें होल पर सातवीं बर्डी जोड़ी, लेकिन 15वें होल पर डबल बोगी और अंतिम होल पर एक बोगी के कारण उन्हें भी 68 पर संतोष करना पड़ा। एमेच्योर लावण्या गुप्ता ने 1-ओवर 72 का कार्ड बनाया और पांचवें स्थान पर रहीं,जबकि पांच खिलाड़ी, स्नेहा सिंह, दुर्गा निट्टूर, जैस्मीन शेखर, अनिवथा नरेंद्र और विधात्री उर्स सभी 2-ओवर 73 के साथ छठे स्थान पर रहीं। दूसरे टॉप स्टार्स में, अमनदीप द्राल (74) टी-11 और नेहा त्रिपाठी (75) टी-14 पर रहीं। इस हफ्ते रिकॉर्ड 49 खिलाड़ी 17 लाख रुपये की इनामी राशि के लिए मुकाबला कर रहे हैं। टूर को हीरो मोटोकॉर्प का सपोर्ट इसे नए लेवल पर ले गया है।

बिलासपुर में नर्मदा ड्रिंक्स प्राइवेट लिमिटेड में आईटी की रेड

कोका कोला ब्रांड के प्रोडक्ट बनाती है कंपनी,रिकॉर्ड-दस्तावेज खंगालती रही टीम

रायपुर,17 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के सिरगिट्टी औद्योगिक क्षेत्र स्थित नर्मदा ड्रिंक्स प्राइवेट लिमिटेड में आयकर विभाग (आईटी) ने छापा मारा है। टीम सुबह 5 बजे फैक्ट्री पहुंची और अंदर मौजूद रिकॉर्ड-दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि यह कंपनी कोका कोला कोल्डड्रिंक ब्रांड के प्रोडक्ट बनाती है। सिरगिट्टी स्थित फैक्ट्री से मध्य भारत के कई हिस्सों में उत्पादों की आपूर्ति की जाती है। आयकर विभाग की 6 सदस्यीय टीम अकाउंट,स्टॉक और वित्तीय लेनदेन से जुड़े कागजात खंगाल रही है। कार्रवाई के दौरान फैक्ट्री के अंदर-बाहर गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

देशभर में एक साथ कार्रवाई

जानकारी के मुताबिक,आयकर विभाग ने एक साथ देश के कई राज्यों में कंपनी से जुड़े प्रतिष्ठानों पर दबिश दी है। नर्मदा ड्रिंक्स से संबंधित अन्य इकाइयों में भी जांच जारी है। फिलहाल,आयकर विभाग की ओर से आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है।

उत्पादन और वित्तीय लेनदेन के दस्तावेजों की जांच

बताया जा रहा है कि प्रदीप अग्रवाल कंपनी के प्रमुख संचालक हैं,जबकि बिलासपुर इकाई का संचालन नवनीत अग्रवाल देख रहे हैं। आयकर विभाग की टीम दस्तावेजों के मिलान, कर विवरणियों और संभावित वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रही है, जिसमें उत्पादन और आय व्यय की जानकारी जुटाई जा रही है। फैक्ट्री परिसर में आने जाने वालों को रोक दिया गया है और अधिकारियों से पूछताछ की जा रही है। कार्रवाई कितने समय तक चलेगी, यह स्पष्ट नहीं है,लेकिन माना जा रहा कि जांच व्यापक स्तर पर की जा रही है।

5 दिन पहले भी की गई थी छापेमार कार्रवाई

5 दिन पहले ही बिलासपुर और जांजगीर-चांपा में कोल कोराबारियों के ठिकानों पर आयकर विभाग (आईटी) की टीम ने रेड मारी थी। बिलासपुर में फिल ग्रुप के फैक्ट्री और घर समेत अलग-अलग ठिकानों पर टीम ने एक साथ दबिश दी गई। जबकि जांजगीर-चांपा में तिरुपति मिनरल्स के कार्यालय में आईटी टीम ने छापा मारा था। अधिकारी एसआईआर (सर्वे/इंस्पेक्शन रिपोर्ट) की सर्वे टीम बनकर कार्रवाई की। टीम की गाड़ियों में एसआईआर के स्टीकर भी लगे हुए थे। कार्रवाई के दौरान टीम की ओर से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड खंगाले गए। फिल ग्रुप के मालिक प्रवीण झा हैं।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में 22 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा,17 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिला में मंगलवार को 22 सक्रिय माओवादियों ने शासन की पुनर्वास एवं आत्मसमर्पण नीति के तहत आत्म समर्पण किया है। यह जानकारी एडिशनल एसपी नक्सल ऑपरेशन रोहित शाह ने दी। सभी माओवादियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय,सुकमा में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वालों में एक महिला माओवादी भी शामिल है,जो लंबे समय से संगठन से जुड़ी हुई थी।

एडिशनल एसपी नक्सल ऑपरेशन रोहित शाह ने बताया कि नक्सल मुक्त अभियान बस्तर के तहत जिले में लगातार नक्सल विरोधी अभियान संचालित किया जा रहा है। इससे माओवादी संगठन समाप्ति की ओर है। विकासात्मक कार्य सुदूर वनांचल क्षेत्र में पहुंचाया जा रहा है साथ ही छत्तीसगढ़ शासन की''छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति''के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सुकमा पुलिस द्वारा''पूना मारगेम'' पुनर्वास से पुनर्जीवन अभियान संचालित किया जा रहा है। अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव से माओवादी संगठन कमजोर पड़ता जा रहा है। एडिशनल एसपी नक्सल ऑपरेशन रोहित शाह ने बताया कि सुकमा जिले में सक्रिय 22 माओवादियों ने आज आत्म समर्पण किया। आत्मसमर्पण सभी माओवादियों को शासन की पुनर्वास नीति के तहत 50-50 हजार रूपये की राशि सहायता राशि प्रदान की गई एवं शासन की अन्य योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा।

आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में मिलिशिया कमांडर गोंचे हुंगा,मिलिशिया सदस्य बण्डी,माड़वी हांदा,हिडमा मड़कम नन्दा, मिलिशिया सदस्य,मड़कम रामा,मड़कम सोमड़ा मिडियाम आयता,मड़कम चैतु,माड़वी हुंगा,लक्ष्मी मुचाकी,गोंचे उर्फ मड़कम हुंगा,माड़वी दूला , कुंजाम केसा,वेको विज्जा,वेको हड़मा, मुचाकी सुक्का,माड़वी जोगा,मड़कम पाण्डू,नुप्पो देवा, भोगाम दसरू उर्फ सोना,सलवम लखमा, जगत उर्फ मुचाकी भीमा शामिल है।

यूक्रेन नहीं जा पाया छत्तीसगढ़ का पावर लिफ्टर

अब नेशनल फेडरेशन को चुकाना होगा भारी जुर्माना

रायपुर,17 फरवरी 2026। राजधानी रायपुर के अंतरराष्ट्रीय पावर लिफ्टर विकास प्रधान के साथ हुए पैसों के विवाद में जिला उपभोक्ता आयोग ने नेशनल पावर लिफ्टर्स फेडरेशन को दोषी पाया है। आयोग ने फेडरेशन को आदेश दिया है कि वह खिलाड़ी को रोकी गई राशि 35 हजार रुपए ब्याज सहित लौटाए और मानसिक प्रताड़ना के बदले 20 हजार रुपए का हर्जाना भी दे। यह फैसला छत्तीसगढ़ के उभरते खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी जीत है, जो अक्सर खेल संघों की लापरवाही और मनमानी का शिकार होते हैं। यह आदेश स्पष्ट करता है कि खिलाड़ियों के करियर और मानसिक गरिमा से खिलवाड़ करने वाली संस्थाओं को कानूनी जवाबदेही से बचना नामुमकिन है। शिकायतकर्ता विकास प्रधान का चयन साल 2020 में यूक्रेन में आयोजित एशियन पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप के लिए हुआ था। प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए उनसे कुल 1.50 लाख रुपए (टिकट,एंट्री फीस, वीजा और यूनिफॉर्म आदि) जमा कराए गए थे। सभी दस्तावेज सही होने के बावजूद फेडरेशन ने वीजा स्वीकृति की जानकारी समय पर नहीं दी, जिसके कारण उन्हें मुंबई से वापस लौटना पड़ा और वे अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश

का प्रतिनिधित्व करने से चूक गए। वापसी के बाद फेडरेशन ने 1.15 लाख रुपए तो लौटा दिए,लेकिन 35 हजार रुपए टिकट कटौती के नाम पर रोक लिए। जब इस कटौती का कोई पुख्ता सबूत नहीं मिला, तब खिलाड़ी ने न्याय के लिए उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया। सुनवाई के दौरान आयोग ने पाया कि फेडरेशन ने हवाई टिकट कटौती का कोई भी दस्तावेजी प्रमाण पेश नहीं किया। आयोग ने इसे सेवा में गंभीर लापरवाही माना और कहा कि इस देरी की वजह से खिलाड़ी न केवल प्रतियोगिता से वंचित रहा, बल्कि उसके करियर और मानसिक स्थिति पर भी गहरा बुरा प्रभाव पड़ा। रायपुर उपभोक्ता आयोग में अब ई-फाइलिंग और ई-हियरिंग की सुविधा शुरू हो गई है।

द-रामेश्वरम कैफे की फ्रेंचाइजी दिलाने 56.26 लाख ठगी

कंपनी प्रतिनिधी बनकर 11 किश्तों में ट्रांसफर कराए पैसे,फोन बंद कर फरार,एफआईआर दर्ज

रायपुर,17 फरवरी 2026। राजधानी में 'द रामेश्वरम कैफे' की फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर एक कारोबारी से 56.26 लाख रुपए की ठगी की गई है। पीड़ित कारोबारी की शिकायत पर गंज पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों ने खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताकर अलग-अलग खातों में पैसे ट्रांसफर कराया और मोबाइल बंद कर लिया। पुलिस ने आरोपी राघवेन्द्र राव, सह संस्थापक दिव्या राघवेन्द्र राव,हेड ऑफ डिपार्ट सौरभ अग्रवाल और पब्लिक रिलेशन मैनेजर डी राजकुमार तिवारी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

गंज पुलिस के अनुसार,साईं नगर जेल रोड निवासी व्यवसायी आशीष तिवारी ने शिकायत में बताया कि, 3 जनवरी 2026 को मोबाइल नंबर 9583972865 और 9556434211 से कॉल कर आरोपी ने खुद को द रामेश्वरम कैफे की मालिक कंपनी अल्ट्रन वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड का प्रतिनिधि बताया। आरोपियों ने रायपुर में फ्रेंचाइजी

दिलाने का झांसा देकर कई मदों के नाम पर अलग-अलग तिथियों में रकम जमा कराई। 15 जनवरी को लोकेशन लॉक करने के नाम पर 1.65 लाख, 21 जनवरी को फ्रेंचाइजी एग्रीमेंट के नाम पर 3.75 लाख,22 जनवरी को एनओसी के लिए 2.25 लाख,23 जनवरी को सिक्योरिटी डिपॉजिट के नाम पर 3 लाख,27 जनवरी को फ्रेंचाइजी सर्टिफिकेट के लिए 5 लाख,30 जनवरी को ट्रेड लाइसेंस और सेटअप के नाम पर 7 लाख रुपए जमा कराए गए। 5 फरवरी को इंफ्रास्ट्रक्चर सेटअप के नाम पर 9.79 लाख, 10 फरवरी को फुल पेमेंट के नाम पर 9.55 लाख, 11 फरवरी को जीएसटी के लिए 7.26 लाख और 13 फरवरी को शेष सेटअप कॉस्ट के नाम पर 7 लाख रुपए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कराए गए। कुल मिलाकर 56 लाख 26 हजार 264 रुपए की राशि ठगों ने हड़प ली। पीड़ित ने बताया कि पैसे ट्रांसफर करने के बाद जब आरोपियों से संपर्क करने की कोशिश की गई तो दोनों मोबाइल नंबर बंद मिले।

नंबर बंद होने पर पीड़ित पहुंचे थाने

आरोपियों का नंबर बंद आने पर कारोबारी को अपने साथ ठगी का अहसास हुआ। ठगी ने परिजनों को घटना की जानकारी दी और 16 फरवरी को थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई। पीड़ित कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बैंक खातों और मोबाइल नंबरों के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

रायपुर में बैडमिंटन खेलते समय गिरे कारोबारी,हार्ट अटैक से मौत

रायपुर,17 फरवरी 2026। सुबह की नियमित कसरत के दौरान एक कारोबारी की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। डीडी नगर थाना क्षेत्र के अश्विनी नगर स्थित सोनकर बाड़ी ग्राउंड में बैडमिंटन खेलते समय 57 वर्षीय अमृत बजाज कोर्ट पर ही गिर पड़े। साथियों ने तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान ईदगाह भाठा निवासी अमृत बजाज के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार वे शुगर के मरीज थे, लेकिन रोजाना दोस्तों के साथ बैडमिंटन और क्रिकेट खेलना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वे शॉट मारने के बाद शटल कॉक उठाने झुकते हैं और अचानक जमीन पर गिर जाते हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह अमृत बजाज अपने दोस्तों के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे। खेल के दौरान वे अचानक गिर पड़े और अचेत हो गए। साथियों ने तुरंत उन्हें पास के निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने हार्ट अटैक से मौत की पुष्टि की। परिजनों को दोस्तों ने फोन कर सूचना दी। 16 फरवरी को उनका अंतिम संस्कार मरवाड़ी मुक्तिधाम में किया गया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। हार्ट अटैक (मायोकार्डियल इन्फार्क्शन) तब होता है जब हृदय की मांसपेशियों तक खून पहुंचाने वाली धमनियों में रुकावट आ जाती है।

बोर्ड-परीक्षा से पहले 10वीं की छात्रा ने की खुदकुशी

भिलाई में रात 12 बजे तक पढ़ाई करती रही

दुर्ग-भिलाई,17 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ बोर्ड की परीक्षाएं 20 फरवरी से शुरू होंगी। एग्जाम के पहले 10वीं की एक छात्रा ने घर में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। रात में 12 बजे तक पढ़ाई करती रही, फिर सुबह फंदे से लाश लटकती मिली है। घटना जामुल थाना इलाके की है। जानकारी के मुताबिक, घासीदास नगर में रहने वाली 17 वर्षीय नारायणी कक्षा 10 वीं की छात्रा थी। स्वामी आत्मानंद स्कूल हाउसिंग बोर्ड पढ़ती थी। छात्रा सोमवार को स्कूल से अपना एडमिट कार्ड लेकर घर लौटी थी। परिजनों के मुताबिक छात्रा सामान्य लग रही थी और परीक्षा की तैयारी में जुटी हुई थी। ये 5 बहनों में तीसरे नंबर की थी। मंगलवार सुबह जब परिजन कमरे में पहुंचे तो उन्होंने छात्रा को फंदे पर लटका हुआ पाया। आनन-फानन में पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची जामुल पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा कार्रवाई की। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए कचादुंर स्थित चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज भेज दिया है।

अतिथि शिक्षकों को दी जाए वरीयता,उनकी सेवा को नजरअंदाज करना अन्यायपूर्ण : हाईकोर्ट

एकलव्य मॉडल-आवासीय स्कूलों में भर्ती के खिलाफ याचिका पर हाईकोर्ट का आदेश

बिलासपुर,17 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूलों में शिक्षकों और गैर-शैक्षणिक पदों पर की जा रही भर्ती के खिलाफ दायर 200 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई की। जस्टिस एके प्रसाद की सिंगल बेंच ने कहा कि,लंबे समय से कार्यरत अतिथि शिक्षकों की सेवाओं और अनुभव को पूरी तरह से नजरअंदाज करना अन्यायपूर्ण होगा। हाईकोर्ट ने नेशनल एजुकेशन सोसाइटी फॉर ट्राइबल स्टूडेंट्स की तरफ से जारी भर्ती प्रक्रिया में याचिकाकर्ताओं को वीरियता दी जाए। जिससे उनकी सेवाएं और अनुभव व्यर्थ न हो जाए। दरअसल,एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूलों में शिक्षकों और गैर-शैक्षणिक पदों पर भर्ती के लिए केंद्र सरकार और नेशनल एजुकेशन सोसायटी फॉर ट्राइबल स्टूडेंट्स ने नए सिरे से प्रक्रिया शुरू की है। इसमें इन स्कूलों में पहले से कार्यरत अतिथि शिक्षकों को न तो वरीयता दी जा रही है और न ही भर्ती में कोई प्राथमिकता देने का उल्लेख है। ऐसे में इन स्कूलों में कार्यरत शिक्षक को बाहर होने का खतरा है।

शिक्षकों ने भर्ती प्रक्रिया को चुनौती देने हुए लगाई याचिका

आवासीय स्कूलों में कार्यरत 200 से अधिक शिक्षकों ने एडवोकेट मतीन सिद्दिकी के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिसमें केंद्र सरकार और नेशनल एजुकेशन सोसाइटी फॉर ट्राइबल स्टूडेंट्स की तरफ से आयोजित की जा रही भर्ती प्रक्रिया को चुनौती दी गई। याचिका में कहा गया कि, याचिकाकर्ता शिक्षक प्रदेश के दूरस्थ एकलव्य आवासीय स्कूलों में 6 साल से अधिक समय से कार्यरत है,जो निष्ठापूर्वक अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में याचिकाकर्ताओं के अनुभव और सेवा को दरकिनार करना अवैधानिक होगा।

योग्यता और अनुभव को दरकिनार करना असंवैधानिक

याचिकाकर्ताओं की तरफ से एडवोकेट ने तर्क दिया कि, याचिकाकर्ताओं की प्रथम नियुक्ति उनकी योग्यता जैसे स्नातकोत्तर, बीएड की डिग्री के आधार पर की गई थी। साल 2016 से लेकर 2022 तक विभिन्न जिलों में उनकी नियुक्ति की गई थी। सभी याचिकाकर्ताओं की नियुक्ति सक्षम अधिकारियों ने की थी। जिसके आधार पर समय-समय पर उनकी सेवाओं में विस्तार किया गया। लेकिन, अब अचानक उन्हें बाहर कर नई भर्ती करना असंवैधानिक है। याचिका में सभी याचिकाकर्ताओं को भर्ती में वरीयता देने की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पेसा कानून को मिली ताकत...कांकेर विवाद पर आए फैसले के बाद छत्तीसगढ़ सरकार का बड़ा ऐलान

रायपुर,17 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने एक ऐतिहासिक संवैधानिक स्पष्टीकरण देते हुए कहा है कि अब राज्य की ग्राम सभाएं अपने वैधानिक अधिकारों के तहत यह तय कर सकेंगी कि गांव में धर्म प्रचारकों का प्रवेश होगा या नहीं। उपमुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा ईसाई धर्म प्रचारकों की अपील खारिज किए जाने के फैसले को आदिवासी स्वशासन और पेसा कानून की जीत बताया है।

कांकेर से शुरू हुआ विवाद, सुप्रीम कोर्ट में थमा : विवाद की शुरुआत कांकेर जिले की उन पंचायतों से हुई थी,जिन्होंने अपने गांवों में ईसाई धर्म प्रचारकों के प्रवेश निषेध के बोर्ड लगाए थे। इसके खिलाफ प्रचारक समुदाय पहले छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट गया। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से कोर्ट में मजबूती से

पक्ष रखा,जिसके बाद कोर्ट ने माना कि अपनी परंपरा के संरक्षण हेतु ग्राम सभाएं ऐसा निर्णय ले सकती हैं। विजय शर्मा ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय संविधान की भावना और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण की पुष्टि करता है। उन्होंने कहा,छत्तीसगढ़ सरकार ग्राम सभाओं के अधिकारों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। हम पेसा नियमों को और अधिक प्रभावी बनाने पर काम कर रहे हैं ताकि आदिवासी समाज अपनी संस्कृति और परंपराओं को अक्षुण्ण रख सके। इस फैसले के बाद अब राज्य के अन्य आदिवासी क्षेत्रों की ग्राम सभाएं भी अपने गांवों में बाहरी धर्म प्रचारकों के प्रवेश को लेकर कड़े नियम बना सकती हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य प्रशासनिक सेवा के 7 अफसर बने आईएएस...केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

2024 की चयन सूची के तहत मिला प्रमोशन

रायपुर,17 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ राज्य प्रशासनिक सेवा (राप्रसे) के 7 अफसरों को भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रमोट किया गया है। केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने मंगलवार को इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। ये नियुक्तियां साल 2024 की चयन सूची के तहत 1 जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच उत्पन्न रिक्तियों के आधार पर की गई है। सभी अधिकारियों को प्रोबेशन पर नियुक्त करते हुए छत्तीसगढ़ कैडर आवंटित किया गया है।

इन अधिकारियों को मिला प्रमोशन

1. तीरथराज अग्रवाल
2. लीना कोसम
3. सौमिल रंजन चौबे
4. बीरेंद्र बहादुर पंचभाई
5. सुमित अग्रवाल
6. संदीप कुमार अग्रवाल
7. आशीष कुमार टिकारिहा

हिस्ट्रीशीटर रोहित तोमर गिरफ्तार...6 साल पुराने केस में रायपुर पुलिस ने पकड़ा,मारपीट-रंगदारी का केस भी पहले से है दर्ज

रायपुर,17 फरवरी 2026। रायपुर पुलिस ने कुख्यात हिस्ट्रीशीटर रोहित तोमर को एक बार फिर गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाली पुलिस ने 2019 के पुराने मामले में कोर्ट से जारी स्थायी गिरफ्तारी वारंट की तामिली कर उसे शनिवार को पकड़ा और न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। हालांकि, सोमवार को जमानत मिल गई। रोहित तोमर के खिलाफ पहले से ही कई संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी रोहित तोमर लंबे समय से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 327, 384 और 506 सहित कई गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज हैं। इन मामलों में जान से

मारने की धमकी, मारपीट, जबरन वसूली और मानसिक प्रताड़ना जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। कोर्ट से जारी स्थायी गिरफ्तारी वारंट के आधार पर कोतवाली पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। तेलीबांधा थाना में दर्ज रोहित तोमर के खिलाफ मारपीट के केस में उसकी गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा रखी है। इस केस में आरोपी 6 महीने से ज्यादा की फरारी काटने के बाद कोर्ट से आदेश लेकर रायपुर पहुंचा तो पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया। लेकिन कोतवाली में दर्ज केस में आरोपी फरार था। शनिवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया, सोमवार को जमानत मिल गई। हिस्ट्रीशीटर रोहित तोमर पर पुलिस कार्रवाई का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी आधा दर्जन बार से ज्यादा बार पुलिस आरोपी पर कार्रवाई कर चुकी है। इससे पहले भी हाईपर क्लब गोलीकांड मामले में पुलिस ने आरोपी का पैदल जुलूस निकालकर जेल भेजा था।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)